वर्ष-3, अंक-323
इन्दौर सोमवार
18 मई 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

चाणक्य नीति

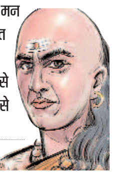

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी स्वीडन रवाना

- इससे पहले अफ्सलाउटडाइक बांध का किया निरीक्षण
- डच इंजीनियरिंग के मॉडल से हुए प्रभावित, भारत-नीदरलैंड के बीच जल प्रबंधन और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

एम्सटर्डम, ईएमएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड की अपनी आधिकारिक यात्रा पूरी कर ली है और अब वे स्वीडन के लिए रवाना हो गए हैं। यात्रा के अंतिम चरण में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेट्टेन ने उन्हें शिफोल एयरपोर्ट पर विदाई दी।

विदा होने से पहले दोनों नेताओं ने विश्व प्रसिद्ध अफ्सलाउटडाइक बांध का दौरा किया, जो डच इंजीनियरिंग और जल प्रबंधन का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। इस दौरान जल प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत और नीदरलैंड के बीच सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा के बाद सोशल मीडिया पर नीदरलैंड की मेजबानी के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह दौरा भारत-नीदरलैंड संबंधों को नई दिशा देने वाला रहा है। दोनों देशों ने जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, नवाचार, रक्षा, स्थिरता और गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है। मोदी ने कहा कि नीदरलैंड की जल प्रबंधन तकनीक पूरी दुनिया के लिए एक मॉडल है और भारत भी सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा और जलमार्ग विकास में आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भारत में चल रही महत्वाकांक्षी कल्पसर परियोजना में डच विशेषज्ञता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि नीदरलैंड की उन्नत तकनीक भारत के तटीय और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

प्रदेश में पेपर लैस कार्य संस्कृति को किया जा रहा प्रोत्साहित

भोपाल, ईएमएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में पेपरलेस कार्य संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। नागरिकों को एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल ऐप पर सरकार के 56 विभागों की 1700 सेवाएं एक ही पोर्टल पर उपलब्ध हैं। प्रदेश में साइबर तहसीलों की स्थापना हो चुकी है।

इस नवाचार को प्रधानमंत्री पुरस्कार भी मिल चुका है। भोपाल में देश के पहले साइबर पंजीयन कार्यालय की शुरुआत की गई है। प्रदेश में ई-जीरो एफआईआर का भी शुभारंभ किया गया है। मंत्रि-परिषद की कार्यवाही पूर्णतः पेपरलैस हो चुकी है, जिससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता भी बढ़ी है। प्रदेश में सुशासन के साथ ग्रीन गवर्नेंस को

भी बढ़ावा मिल रहा है। इन नवाचारों से प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं और जन सामान्य से जुड़ी सेवाओं तक आम आदमी की पहुंच को आसान और उनके उपयोग को सरल व सुगम बनाया जा रहा है। सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश-न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने जबलपुर के एक कार्यक्रम में प्रदेश में पेपर लैस कार्य प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित गतिविधियों की सराहना की।

गुड गवर्नेंस के नए आयाम होंगे स्थापित

प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन के मंत्र को आत्मसात करते हुए मिनिमम गवर्नमेंट- मैग्सिमम गवर्नेंस के मूल मंत्र के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में गुड गवर्नेंस के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में सक्रिय हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यालयों में फाइलों की मॉनिटरिंग, समयबद्ध निराकरण और उत्तरदायित्व सुनिश्चित हुआ है। इससे भ्रष्टाचार में कमी, पारदर्शिता में वृद्धि तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गति आई है। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सीएम हेल्पलाइन नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है।

तकनीक के बदलते दौर में बदल रहा न्यायिक प्रशासन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही, सुशासन के दो मजबूत स्तंभ हैं और एक-दूसरे के पूरक भी। पारदर्शिता से जवाबदेही मजबूत होती है और जवाबदेही स्वयं पारदर्शिता की कारक होती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति ने देश में सर्विस डिलीवरी और व्यवस्था की जवाबदेही को मजबूती दी है। तकनीक आज सामाजिक परिवर्तन के साथ व्यवस्था में बदलाव का भी प्रमुख कारक बन गई है। तकनीक के इस बदलते दौर में प्रदेश के न्यायालय तेजी से बदल रहे हैं। वर्षों तक न्यायिक प्रक्रिया कागजी अभिलेखों पर आधारित रही।

त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में लगी आग, राहत ट्रेन खाई में गिरी

ट्रेक पर हादसे पर हादसे... मचा हड़कंप

- दूसरी मेडिकल वैन के ब्रेक में भी लगी आग
- मच गई चारों तरफ अफरा-तफरी

राजधानी एक्सप्रेस के एसी कोच में आग लगने के बाद घटना स्थल को पहुंचाई गई राहत मेडिकल वैन के इंजन के ब्रेक सिस्टम में भी आग लग गई। यही नहीं एक रिलीफ ट्रेन खाई में पलट गई, जिसमें करीब 05 लोग घायल हो गए। इस तरह से रेलवे सिस्टम में एक के बाद पेश आई कई घटनाओं ने हड़कंप मचा दिया। इन घटनाओं ने रेलवे सुरक्षा तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

● रतलाम, ईएमएस

त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस एसी कोच में आग हादसे के बाद मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में रेलवे सिस्टम में एक के बाद एक कई घटनाओं ने हड़कंप मचा दिया। दरअसल रविवार सुबह करीब 5-15 बजे आलोट के पास लूणी रीछा-विक्रमगढ़ स्टेशन के बीच राजधानी एक्सप्रेस (12431) के एसी कोच बी-1 और उसके पीछे वाले सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में आग लग गई थी। समय रहते यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

ट्रेन त्रिवेंद्रम से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन जा रही थी और रतलाम जंक्शन से रवाना होने के कुछ घंटों के बाद यह घटना घटित हुई। कोच में 68 यात्री सवार थे, जिन्हें रेलवे कर्मचारियों ने लगभग 15 मिनट के भीतर ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आग कुछ ही देर में पीछे लगे सेकंड लगेज कम गार्ड वैन तक फैल गई, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि की कोई सूचना नहीं मिली है।

दिल्ली-मुम्बई रेल मार्ग रहा प्रभावित

हादसे के बाद दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात रोक दिया गया और प्रभावित कोचों को ट्रेन से अलग कर दिया गया। बाद में राहत कार्यों के लिए रेलवे की कैरेज एंड वैगन (सी एंड डब्ल्यू) विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया। इसी दौरान राहत कार्य के लिए रवाना की गई एक रिलीफ ट्रेन शामगढ़-सुवासरा के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह वैन अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई, जिसमें 5 से अधिक कर्मचारी घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए कोटा रेफर किया गया है।

हेल्प डेस्क बनाए गए — नागदा, उज्जैन और रतलाम स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाए गए हैं ताकि यात्रियों को जानकारी और सहायता मिल सके। रेलवे की तकनीकी टीमें प्रभावित रूट पर मरम्मत और सुरक्षा जांच में जुटी हुई हैं, ताकि जल्द से जल्द सामान्य रेल यातायात बहाल किया जा सके।

राहत मैडिकल वैन में आग

इसके अलावा एक अन्य दुर्घटना में राहत मेडिकल वैन के इंजन के ब्रेक सिस्टम में भी आग लग गई। यह घटना रुनखेड़ा स्टेशन के पास हुई, जहां समय रहते कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यह वैन हादसा स्थल के लिए रवाना की गई थी, लेकिन सब सामान्य होने की सूचना पर वापस लौट रही थी, तभी यह हादसा हो गया।

रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस आग हादसे के बाद लगातार हो रही इन घटनाओं ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक पर परिचालन आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है और अप लाइन से ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है।

चलती स्लीपर बस बनी आग का गोला

ड्राइवर की सूझबूझ से बची लोगों की जान

बेंगलुरु से मंगलुरु जा रही थी बस, टायर फटने के बाद घर्षण से हुआ हादसा

बेंगलुरु, ईएमएस। कर्नाटक के हासन जिले में बेंगलुरु से मंगलुरु जा रही एक स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। नेशनल हाईवे-75 पर दौड़ रही बस कुछ ही मिनटों में आग का गोला बन गई। राहत की बात यह रही कि ड्राइवर की सूझबूझ और यात्रियों ने चालाकी से बस में सवार सभी 36 लोगों की जान बच गई। हालांकि, यात्रियों का सामान, बैग और कई जरूरी दस्तावेज जलकर राख हो गए। इस घटना ने देशभर में चल रही निजी बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बस मंगलुरु जा रही थी, तभी अचानक टायर फट गया। इसके बाद बस के अंदर धुआं भरने लगा। यात्रियों को लगा कि शायद सामान्य तकनीकी दिक्कत होगी, लेकिन कुछ ही सेकंड में आग तेजी से फैल गई। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। कई यात्री नींद में थे, इसलिए स्थिति और खतरनाक हो सकती थी, लेकिन चालक और स्टाफ ने तेजी दिखाई।

नीट मामला: बीजेपी बोली...

राहुल फैला रहे भ्रम, आरोप राजनीति से प्रेरित

नीट मामले को लेकर युवाओं का आक्रोष सातवें आसमान पर है। इस मामले में राहुल गांधी शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग वाले स्टेंड पर अड़े हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ अब सरकार का बचाव करने भाजपा ने उल्टा राहुल गांधी पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और राजनीति नहीं करने की सलाह दे दी है।

नई दिल्ली, ईएमएस। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संजय मयूख ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को भ्रम फैलाने वाला और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर रही है, जबकि मामला लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है।

डॉ. मयूख ने कहा कि सरकार ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए सीबीआई जांच, प्रभावित छात्रों के लिए पुनः परीक्षा और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, यह दर्शाता है कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर राहुल गांधी, लगातार सरकार की छवि खराब करने के लिए बिना तथ्यों के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने तत्काल कदम नहीं उठाए होते तो विपक्ष इसे निष्क्रियता करार देता, और अब जब कार्रवाई की गई है तो उसे भी निशाना बनाया जा रहा है।

आरोपी टीचर को 14 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा

कोर्ट में जांच एजेंसी ने कहा- बॉटनी और जूलॉजी प्रश्नपत्रों की ट्रांसलेशन एक्सपर्ट मनीषा मंधारे ने साथियों के साथ मिलकर रची साजिश

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 से जुड़े कथित पेपर लीक मामले में जांच कर रही सीबीआई ने अदालत में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। मामले में गिरफ्तार 'पेपर-सेटिंग कमेटी' की सदस्य मनीषा मंधारे को अदालत में पेश किया गया, जहां जांच एजेंसी की दलीलों के बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया।

सीबीआई के अनुसार मनीषा मंधारे परीक्षा के बॉटनी और जूलॉजी प्रश्नपत्रों के अनुवाद कार्य से जुड़ी थीं। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि इसी जिम्मेदारी के कारण उनकी पहुंच सीधे असली प्रश्नपत्रों तक थी। आरोप है कि उन्होंने इस गोपनीय व्यवस्था का दुरुपयोग करते हुए प्रश्नपत्र लीक करने में अहम भूमिका निभाई। जांच में यह भी सामने आया कि मंधारे अकेले काम नहीं कर रही थीं। सीबीआई के मुताबिक, उन्होंने पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से इस साजिश को अंजाम दिया। एजेंसी ने दावा किया कि मंधारे ने प्रश्नपत्र शुभम नामक आरोपी को सौंपा, जिसने आगे इसे अन्य लोगों तक पहुंचाया। सीबीआई ने अदालत से कहा कि यह मामला केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार देश के कई प्रदेशों से जुड़े हुए हैं।

राहुल गांधी बोले- पीएम ने शिक्षा मंत्री को क्यों नहीं किया बर्खास्त

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और रद्द मामले पर केंद्र सरकार से सवाल किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में पोस्ट करते हुए कहा, 'पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द हुई, सीबीआई जांच बिठाई। बार-बार फेल हो रहे शिक्षा मंत्री को पीएम मोदी बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं।' इसी के साथ राहुल गांधी ने आगे कहा, कि नीट 2026 का पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द हुई। शिक्षा मंत्री ने फिर इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई जांच कर रही है। मोदी जी देश आपसे यह सवाल पूछ रहा- जवाब दें, बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? बार-बार इस 'परीक्षा पे चर्चा' पर आप चुप क्यों हैं?

अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर

पारा 46 डिग्री रहा...

नई दिल्ली, ईएमएस। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत आठ राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40 से ऊपर है। दिन के साथ रातें भी गर्म हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रहा। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44 डिग्री से ज्यादा रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव, बर्फ के टुकड़े, फॉगर शामिल हैं। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। असम, मेघालय, केरलम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है। 19 मई को यूपी में कुछ जगहों पर भीषण लू चल सकती है।

पेट्रोल-डीजल, एलपीजी और दूध के बाद सीएनजी भी महंगी

भोपाल, ईएमएस। पेट्रोल-डीजल और दूध के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) भी महंगी हो गई है। 3 रुपए प्रतिकिलो तक रेट बढ़ा दिए गए हैं। इस वृद्धि के बाद भोपाल में 1 किलो गैस के दाम अब 93.75 रुपए हो गए हैं। मप्र में 3 गैस एजेंसियां (थिंक, गेल और अवंतिका) सीएनजी की सप्लाई करती हैं। इनमें से थिंक कंपनी भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा समेत आसपास के जिलों में सप्लाई करती है, जबकि अवंतिका कंपनी इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में सप्लाई करती है। इसके अतिरिक्त गेल कंपनी की भी अनेक जिलों में सप्लाई है। भोपाल समेत आसपास के जिलों में दो माह में दूसरी बार सीएनजी की कीमतों में बढ़ोत्तरी की गई है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखा पत्र

देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान इकोलॉजिकल नुकसान का किया जिक्र

नई दिल्ली, ईएमएस। देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान जारी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चिंता जताई है। रमेश ने इकोलॉजिकल नुकसान का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों के भावना के उल्लंघन की बात कही। बता दें ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू किया जा रहा करीब 92,000 करोड़ रुपए का मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में एक बड़ा इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नया आधुनिक शहर और 450 मेगावाट का गैस व सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि 1 मई 2026 को भारत सरकार ने द ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शीर्षक से एक एफएक्यू जारी किया था। इसके बाद 10 मई 2026 को मैंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं।

केरल में आज शपथ ग्रहण समारोह

मुख्यमंत्री सहित 21 की शपथ

तिरुवनंतपुरम, ईएमएस। केरल में नई यूडीएफ सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए चुने गए वी. डी. सतीसन ने मंत्रिमंडल की सूची राज्यपाल को सौंप दी है। जानकारी के अनुसार नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 18 मई को सुबह 10 बजे तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। यूडीएफ नेताओं के अनुसार मुख्यमंत्री सहित कुल 21 सदस्य शपथ लेंगे। इनमें 20 मंत्री और मुख्यमंत्री शामिल हैं। पहली बार पूरा मंत्रिमंडल एक साथ शपथ ग्रहण करेगा।

व्हाइट हाउस में मधुमक्खियों का हमला

राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में तीसरी बार अपशगुन...

वाशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका के वाइट हाउस परिसर में हाल ही में मधु मक्खियों के बड़े झुंड के देखे जाने की खबरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हजारों मधुमक्खियों का झुण्ड व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन और प्रेस क्षेत्र के आसपास हमला किया है।जिससे कुछ समय के लिए वहां पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में यह झुंड पास के एक पेड़ पर जाकर बैठ गया।

इस घटना को बाइबल के अनुसार एक बड़ा अपशगुन बताया गया है। यह किसी बड़े परिवर्तन और प्राकृतिक आपदा का संकेत होता है। अमेरिकी प्रशासन ने इस घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बाइबल में वर्णित धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस तरह के संकेत जिसमें मधुमक्खियों के हमले को चेतावनी और बदलाव के प्रतीक के रूप में मान्यता है। अमेरिका के मौसम और जीव विज्ञानी विशेषज्ञों का कहना है। वसंत ऋतु और गर्मियों के मौसम में मधुमक्खियों का झुंड बनाकर नई जगह तलाशना एक सामान्य प्राकृतिक प्रक्रिया है।

सोशल मीडिया पर हिज़बुल्लाह हमले के दावे वायरल

बेइत शेमेश के पास जोरदार धमाका, 'मशरूम क्लाउड' से फैली दहशत

इजराइल ने कहा— यह केवल नियंत्रित सैन्य परीक्षण था

● तेल अवीव, ईएमएस

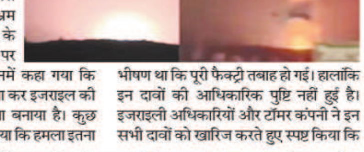

बेइत शेमेश इलाके के पास शनिवार रात हुए एक बड़े धमाके ने इजराइल में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। विस्फोट के बाद आसमान में मशरूम क्लाउड जैसा विशाल धुएं का गुबार दिखाई दिया, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। घटना यरुशलम के नजदीक स्थित उस क्षेत्र में हुई जहां रक्षा क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियां संचालित होती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धमाका टॉमर परीक्षण केंद्र के पास हुआ। टॉमर इजराइली सेना के लिए रॉकेट और मिसाइल इंजन विकसित करने वाली प्रमुख कंपनी मानी जाती है। वायरल वीडियो में आग का बड़ा गोला, तेज धमाके की आवाज और ऊंचाई तक उठता धुआं देखा गया, जिससे स्थानीय लोगों में भय और भ्रम की स्थिति बन गई। घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई दावे सामने आए, जिनमें कहा गया कि हिजबुल्लाह ने मिसाइल हमला कर इजराइल की मिसाइल फैक्ट्री को निशाना बनाया है। कुछ पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि हमला इतना भीषण था कि पूरी फैक्ट्री तबाह हो गई। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इजराइली अधिकारियों और टॉमर कंपनी ने इन सभी दावों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि यह एक पूर्व-नियोजित और नियंत्रित परीक्षण था। कंपनी के आधिकारिक बयान में कहा गया कि परीक्षण सैन्य तकनीक और रॉकेट इंजन प्रणाली से संबंधित था तथा इसमें कोई असामान्य घटना नहीं हुई।

इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स में भी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है, कि विस्फोट के कारण आसपास के नागरिक क्षेत्रों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और न ही किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। बावजूद इसके, मशरूम क्लाउड जैसे दृश्य और तेज धमाके ने लोगों की चिंता बढ़ा दी, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में पहले से तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

संपादकीय

महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक से जनता नाराज

भारत इस समय सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत चुनौतियों के ऐसे दौर से गुजर रहा है। जहां बेरोजगारी, महंगाई और पेपरलीक मामलों से युवाओं की बढ़ती निराशा गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हाल ही में सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी जिसमें बेरोजगारों को काकरोच जैसे शब्द से तुलना की गई उसको लेकर देशभर में मुख्य न्यायाधीश के बयान को लेकर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया, पत्रकारिता और सूचना के अधिकार से जुड़े युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस बयान को संवेदनहीन बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजनीतिक दल सामाजिक कार्यकर्ता एवं वकीलों ने भी इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह अलग बात है कि सीजेआई ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दे दिया है।

न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय स्तंभ है। उसके किसी भी वक्तव्य का समाज में व्यापक प्रभाव होता है। आज देश में करोड़ों की आबादी वाला बड़ा युवा वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार और नौकरी के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं की परेशानियों को बढ़ा दिया है। ऐसे माहौल में युवा अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाते हैं। उन्हें उपेक्षा या कठोर टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है। उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं होता है। स्वाभाविक रूप से इससे असंतोष बढ़ता है।

इतिहास गवाह है, जब किसी भी राष्ट्र में सामाजिक असमानता, आर्थिक संकट और संस्थागत असंवेदनशीलता बढ़ती है, ऐसी स्थिति में लोग अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष का वह सभी रास्ता चुन लेते हैं जो आमतौर पर आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में ही बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। अमेरिकन सिविल वार भी अमेरिका का केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था। अमेरिका में उस समय के आर्थिक और सामाजिक असंतुलन का परिणाम था। भारत की परिस्थितियों में जिस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उसकी सीधी तुलना अमेरिका के गृहयुद्ध से करना उचित नहीं है। लेकिन जिस तरह के हालात बन गए हैं उससे अवश्य हमें समझना चाहिए। लगातार बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आधुनिक बाजारवाद, महंगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा, महंगे खाद्य पदार्थों और नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक के कारण जिस तरह की सामाजिक निराशा देखने को मिल रही है, वह किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरे का सबसे बड़ा संकेत है। न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना भी है। आम नागरिक, विशेषकर गरीब और बेरोजगार युवा, न्यायपालिका को अंतिम उम्मीद के रूप में देखते हैं। इसलिए न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के शब्दों में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी का होना अत्यंत आवश्यक है। सरकार, न्यायपालिका और समाज–तीनों को मिलकर यह समझना होगा, लोकतंत्र केवल आर्थिक विकास से मजबूत नहीं होता है। बल्कि नागरिकों के सम्मान, समान अवसर और न्याय और नैतिकता से मजबूत होता है। युवाओं को रोजगार, शिक्षा और न्याय की उम्मीद होगी, तभी देश में सामाजिक स्थिरता और विकास की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। भारत आज सबसे बड़ी युवा आबादी वाला पढ़ा लिखे युवाओं का देश है। जिस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं यह सामान्य नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत को सोच समझकर बड़ी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के साथ इस मुश्किल स्थिति से बाहर निकलना होगा। अन्यथा इसके दुष्परिणाम किसी भी रूप में सामने आ सकते हैं।

सनत जैन

राज काज

और लो राजा दूध 70 रुपये लीटर

जैसे ही पांच राज्यों के चुनाव खत्म हुए। आम जनता के ऊपर महंगाई का बम फूट गया है। अमूल, मदर डेयरी, सांची इत्यादि का दूध 70 रुपये प्रति लीटर हो गया है। कोऑपरेटिव सेक्टर की दूध कंपनियां पूंजी पतियों की तरह सोचती हैं। सरकार ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। पिछले एक दशक में दूध के दाम 35 से बढ़कर 70 पर पहुंच गए। बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। महंगाई की मार है। बच्चों पर इसका असर पडना तय है। वैसे भी सरकार पूंजीपतियों की है। आम आदमी से इसका कोई सीधा लेना देना नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम के बेटे का निधन

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी से उत्पन्न बेटे प्रतीक की पिछले दिनों मौत हो गई। प्रतीक की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके साथ एक चर्चा यह भी चल रही है। उत्तर प्रदेश के जो मुख्यमंत्री हुए हैं। अधिकांश की एक से ज्यादा पत्नियां वेध और अवैध रूप से थी। कई पूर्व मुख्यमंत्री के बेटों की मौत संदिग्ध स्थिति में हुई हैं। ऐसा लगता है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के बेटों का जैसे यह कोई श्राप हो।

शी-जिनपिंग के सामने ट्रंप दादा की चुप्पी ?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बहुत उत्साह के साथ चीन गए थे। उन्हें लग रहा था, चीन उनके साथ व्यापार के लिए बड़े-बड़े समझौते करेगा। ईरान के युद्ध और होमुर्ज का रास्ता खुलवा देगा। चीन में जाकर डोनाल्ड ट्रंप दादा के सारे सपने टूट गए। उन्हें खाली हाथ अमेरिका वापस लौटना पड़ा। गुस्से में चीन ने जो गिफ्ट उन्हें दी थी, वह भी वहीं डस्टबिन में फेंक कर चले गए। इसे कहते हैं,समय सबका एक सा नहीं होता है। घड़ी के कांटे की तरह कभी ऊपर और कभी नीचे यही समय की गति है।

वन नेशन वन करप्शन

भारत में इस समय हर काम में वन नेशन के नाम पर बड़े-बड़े कारनामे हो रहे हैं। अब तो सारे देश में चुनाव जीतने की बात भी वन नेशन और वन इलेक्शन के नाम पर हो रही है। हाल ही में वन नेशन वन करप्शन मे नीट का पर्चा लीक हुआ है। 2 साल पहले भी नीट का पेपर लीक हुआ था। अभी तक दर्जनों पेपर लीक हो चुके हैं। वन नेशन और वन परीक्षा के नाम पर अरबो रुपए की कमाई हो गई है। सरकार ने उस समय नीट पेपर का मामला दबा दिया था। उसे समय भी सरकारी कॉलेज में प्रवेश के नाम पर हजारों करोड रुपए का वारा न्यारा हुआ था। इस बार एक-एक खुलकर करप्शन के सारे तौर तरीके खुलकर सामने आ रहे हैं। पहले पेपर लीक घोटाला हजारों लोगों तक फैला था। अब सेंट्रलाइज कर दिया गया है। हजारों करोड रुपए की कमाई एक ही जगह बैठकर होती है। इसे कहते हैं वन नेशन वन करप्शन का फायदा? पकड़े भी जाते हैं तो छात्र और छात्राएं। बड़े लोग तो वैसे भी बच जाते हैं। पहले भी यही हो रहा था और अभी यहीं हो रहा है।

डॉ हरीश पाठक के द्वारा लिखित उपन्यास ‘ गांठे ’ की साहित्यकार राजेश सक्सेना की समीक्षा

अनसुलझे रिश्तों की पुरानी गांठे खोलने की कहानी: गांठे

(उपन्यास) लेखक – डॉ. हरीश पाठक

किसी उपन्यास में प्रवेश करना एक अरण्य में प्रवेश करने की तरह है जहाँ प्रवेश मार्गो का एक जाल भी होता है वहीं अंदर के अनेक उपमार्ग या पगडंडियो की मरिचिका भी है ऐसे में पाठक को जब उपन्यास पढ़ना हो तो किसी शिकारी की तरह नहीं बल्कि एक अतिथि की तरह जाना चाहिए जैसे अचानक अतिथि घर आ जाते हैं, तब उपन्यास आपका खुले दिल से स्वागत करेगा ! हरीश पाठक सर के नए उपन्यास गांठे पढ़ते हुए लगता है कि यह एक आत्मालाप से निकलकर मनोभावों की दार्शनिक अभिव्यक्ति में गति पाते हुए शब्दों की अंतरलय को प्रकट करते हुए शुरू होता है जिसमें एक शब्द से दूसरे शब्द तक जाने का सेतु बनाने की प्रवर्ती कथाकार ने बहुत अच्छी तरह से रची है जिससे प्रारम्भ में ही पाठक उपन्यास की रोचक अनुभूति के साथ बंध जाता है! इस उपन्यास में शहर शहर, मकान से मकान की दूरी नापते हुए नायक जब अपने बनाए घर में रहने जाता है तो वहाँ की संतुष्टि, वहाँ की गंध, अपनत्व सब प्रभावित करता है, जिसमें देह और सोच की एक आंतरिक छुअन है, बुढ़ापे की दस्तक है,रिटायर्ड लाइफ का सुनापन,पत्नी निर्मला से संवादों का लम्बा सिलसिला है जो लेखक के दाम्पत्य की स्थिति को दर्शाता है ! इस उपन्यास में उज्जैन है जिसके मोहल्ले, गलियों, सड़कों कालेज तक से लेकर चौक, पान की गुमटी, बस स्टैंड भी है ! सीमेंट कांक्रीट में बदलते शहर को लेकर एक चर्चित कविता ‘मैंने बचपन छुपकर पैसे बोए थे सोचा था पैसों के पेड़ उगगें ’ इस कविता के माध्यम से वे सीमेंट के बने इन मकानों बिल्डिंग को पेड़ की तरह मानते हुए एक सरल अभिव्यजना रचते हैं ! कथा के नायक प्रभास के मित्र विनय के कथनो में जिंदगी की सच्चाई और कठोर यथार्थ को जिन संवादों के द्वारा प्रकट किया गया है वे पाठक को आसानी से जोड़ लेते हैं, ‘प्रभास परायों के अपनेपन और अपनों के परायेपन की हलचल में एक गंध होती है, तुमने कभी महसूस की है यह गंध’ इस प्रकार के संवाद एक दुनियावी हकीकत को बयां करते हैं ! उपन्यास की गति प्रारम्भ में थोड़ी धीमी लय में सरकती है, फिर गतिमान होती है, नायक कुछ चेहरों को लेकर अपनत्व और अलगाव को भी याद करता है! पुराने उज्जैन की नेरो गेज ट्रेन, मकोड़िया आम स्टेशन इंदिरा नगर का उल्लेख भी नायक ने किया है! अपने पुराने हवेलीनुमा बंगले के घर में तीन खिड़की वाले कमरे के मकान के टूटने और उसके मलबे को देखना नायक की बचपने की स्मृति के सबसे भावुक कोने को कुरेदती है और वह उस मलबे के ढेर में दबे बचपन के कई सपनो, स्पर्श के चिन्हो की स्पन्दन महसूस करते हुए दुःखी होता है ! सक्सेना मास्टर, जैन मास्टर और नागर मास्टर के शानदार किस्से हैं एक बहुत चर्चित किवदंती अपनी रोचक शैली के साथ कथाकार ने इसमें संजोई है जो बच्चों को पढ़ाने के लिए दंड के साथ दी जाती थी ’ छड़ी पड़े छम छम, विद्या आए धमा धम ’ ! छोटे बाबा और बड़े बाबा के बीच अपने दादाजी के श्राद्ध को लेकर एक काला दरवाजा बंद कर दिया जाता है जो फिर एक पश्चात्ताप के बाद खुल जाता है, यह परिवार के बीच की छोटी मोटी टकराहट और अलगाव के बीच एक किशोर की मनःस्थिति को रिश्तों के नए आयामों से भी परिचित कराती है ! ये उपन्यास बचपन के अपने शहर के नास्टेलजिया में घूमते हुए यात्रा करता है जिसकी सीमा बारबार उज्जैन के पुराने , मोहल्लो सती गेट छतरी चौक, गोपाल मंदिर तक जाती है, तीन खिड़कियों वाले कमरे की हवेली एक तिलिस्म रचती है, यहाँ नायक इसे एक गांठ की तरह देखता है, फिर बड़े बाबा और उनके द्वारा लिखे जा रहे को जानने की बार बार कोशिश करता है और जब उसे बाबा बताते हैं कि यह अपने परिवार का इतिहास लिख रहें हैं तो इस रहस्य को जानने के बाद नायक को लगता है जैसे एक गांठ खुल गयी हो ! कुछ एक भजन है जो इसमें आए हैं नायक प्रभास की दादी के मुँह से निकलता है ‘ठाकुर भले बिराजो जी ’ ये भजन मेरी दादी भी गाती थी ! पढ़न्ता की पूँछ जैसे मुहावरें जो हमारी भाषा से गायब हो रहें हैं इसका प्रयोग लेखक ने किया है! इसमें अपने समय के साम्प्रदायिक सौहार्द का चित्र खींचते हुए कथाकार ने उपन्यास के नायक के द्वारा कहने व बताने की कोशिश भी की है जिसमें मुस्लिम दोस्त रईस, इदरीस, कमाल,हफिज, युसूफ का जिक्र करते हुए बताया है कि चाहे मैं ईद पर उनके यहाँ न जाऊं पर वे दीवाली, दशहरे पर हमारे घर जरूर आते यह तथ्य और सत्य आज के भयानक समय पर रुई के फाहे की तरह नरमी प्रदान करता है! कथा नायक जब अपने परिवार की विरासत और उद्भव को पूरी कहानी में जानने की कोशिश करता रहता है यह गांठ उसके मन में बंधी रहती है कि हम मुस्लिम हैं, लेकिन जब यह पता चलता है कि वह दत्तक पुत्र के वंश वेल से तो कहानीकार यहाँ इस गांठ को खोलने में सफल होता है ! यह उपन्यास 1857 के गदर की कहानी से भी अपना कुछ रिश्ता बनाता है जहाँ नायक के पूर्वज बुंदेलखंड से निर्वासित होकर उज्जैन आ गए थे दरअसल यह गांठ भी तब खुलती है जब प्रभास को दादी बताती है कि बुंदेलखंड से माइग्रेशन किस तरह हुआ, यह कहानी साल 1857 के गदर को भी जोड़ते हुए, जिसमें अंग्रेजी हुकूमत के लिए नायक बड़ी हिकारत से बात करते हुए उस वक़्त बरतानी हुकूमत के प्रति अपनी बाल सुलभ नाराज़ी के साथ सामने आते हैं और जिन रजवाड़ो, समंतो ने अंग्रेजो का साथ दिया उनके प्रति सत्ता बचाने के तंज के साथ आक्रोश व्यक्त करते हैं ! चूंकि यह उपन्यास छः पीढ़ियों के परिवारों की कहानियों का एक सम्मिलित स्वरों को पहचानने का प्रयास करता है इसलिए इसकी गूंज में अनेक सूक्ष्म ध्वनियाँ, अंतरध्वनियाँ और प्रतिध्वनियां हैं कि पाठक को पात्रों पर पकड़ को बनाए रखने के लिए सजगता बनाए रखना जरूरी है ! नायक को बुंदेलखंड का नूनसाई गाँव की बारबार याद दिलाई जाती है, जहाँ से कोई न कोई गांठ बंधी हुई है लिहाज़ा नायक बारबार नूनसाई का जिक्र करते हैं! यहाँ पूर्वजों की नाल गड़ी है! यह उपन्यास 1857 की क्रांति की भूमिका बनने से पहले की स्थितियों और तत्कालीन व्यवस्था, अंग्रेजी राज, देशी रजवाड़े की उथल पुथल से भरी प्रष्ठ भूमि की अनेक झलकियां प्रस्तुत की गई है ! विलसन साहब, डुरंड, व्यूमाँट और रिचर्ड जैसे अंग्रेज अफसरों के नाम के ब्यौरे इसमें दिए गए हैं, जिनके माध्यम से नायक के पूर्वज बुंदेलखंड से झाँसी, ग्वालियर से होते हुए मालवा इंदौर होल्कर रियासत और फिर उज्जैन में बस जाते हैं जिनमें तीन मित्र डाक्टरी का कोर्स करते है, और आगे चलकर गोपाल प्रसाद डॉक्टर बनते हैं ! इस उपन्यास को पढ़ते हुए यह भी लगा कि हर आदमी के पास अपने गाँव, नगर, पूर्वजों, परिवार की कई कहानियाँ है जिनमें जीवन के उत्कर्ष, संघर्ष और कई बार नीचे देखने के किस्से हैं जिन्हे दस्तावेज के रूप में लिखा जा सकता है, आदरणीय प्रमोद जी अक्सर यह बात मुझसे कह चुके हैं, बल्कि उनके ज़्यादातर उपन्यास में बड़नगर और उज्जैन का ही जिक्र है तो यह उपन्यास हर व्यक्ति को अपने परिवार कहानी लिखने के प्रति जागरूक भी करता है! इसमें मुझे मेरे पिता का किस्सागो स्वभाव याद आता है वे अपने कार्यालय की बातों को, मासिक बैठकों और अपने सहकर्मियों की बातों और घटनाओ का ऐसे जिक्र करते थे कि एक जिज्ञासा और रोचक अनुभूति होने लगती थी जिनमें बहुत छोटी बातें और चीज़ो के ब्यौरे होते थे! एक जगह भोला महाराज पंडित जानकीप्रसाद से कहते है ‘पंडित तुम एक बिगड़े बच्चे हो और शिकायत किससे कर रहे हो वतन परस्तो की वह भी फिरंगियों से, वे हमारे अभिभावक नहीं बल्कि आततायी है, उपनिवेशवादी ज़ालिम तानाशाह है’ यह वाक्य बताता है कि ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ 1857 के पहले से ही एक विद्रोह सुलग ही रहा था, उज्जैन के चिन्ह जो आज भी जीवंत और स्थाई पते के लैंड मार्क बने हुए है उनका भी समावेश इसमें किया गया है, जिनमें देवास गेट, इंदौर गेट, सती गेट, दिल्ली दरवाजा, केडी गेट जिनका जीर्णोद्धार सिंधिया घराने ने किया, सिंधिया घराने में जयाजी राव, बायजा बाई आदि की पीढ़ी का लेखा भी उपन्यास में है! उज्जैन के सोलह सागर और उनके महत्व को भी रेखांकित किया गया है, एक बात खास जो मुझे बहुत पसंद आई वह यह कि उस समय के उज्जैन में जोसफ फिलौज नगर के प्रशासनिक प्रमुख होने की, एक पौराणिक धार्मिक नगर का प्रमुख ईसाई है यह उस समय के सौहार्द का भी प्रतीक है डॉ. गोपाल के कुछ बयान जो अंग्रेजी राज के सुधार कार्यो के प्रति यह भाव पैदा करते हैं कि हमारे जीवन को बेहतर बनाने में अंग्रेजी राज और सिंधिया वंश दोनों का योगदान उल्लेखनीय है लेकिन भोला महाराज कहते है फिरंगी यहाँ व्योपार के लिए आए थे अब राजा बन बैठे है, ये सडके, पुल, स्कूल, कालेज, अस्पताल तो तब भी बनेंगे जब ये न होंगे! इस पक्ष में नालंदा, तक्षशिला आदि का उदाहरण भोलानाथ देते हैं ! उपन्यास में इस तरह के कथनोपकथन हमारे समकाल की सत्ता को भी घेरते हैं ! मध्य से अंत की तरफ जाते हुए यह उपन्यास आजादी की लड़ाई के इतिहास के दस्तावेज की तरह खुलने लगता है जिसे पढ़ते हुए लगता है कि लेखक ने कितने सिरे पकड़ रखे हैं जिन्हे जोड़कर वह उन कई गांठो को खोल रहा है जो रिश्तों की है, अर्थ की है, सत्ता की है, वर्चस्व की है, धर्म की है, समाज की है और अंग्रेज परस्त रजवाड़ो और मुखबिर से लेकर आजादी के लिए उद्यत, आम जनमानस की भी है ! इसमें एक पात्र हैं गज़ाधर जो एक सपना देखते हैं और उसके टूटने पर कहते हैं ’ कुछ नहीं भोलाभाई सपना था, सपने में अंधेरा, और जागे तो भी अँधेरा जैसे अँधेरे में सोते हुए जागता हमारा देश या जागते हुए सो रहा है ’ यह वाक्य उस समय के ब्रिटिश राज के प्रति उदासीन व्यवहार को लेकर एक तंज है लेकिन क्या यह हर समय की सत्ता पर चस्पा नहीं होता ऐसा विचार पाठक पर आयात होता है ! झाँसी की रानी, सादत खां, गौस खां की शाहदत पर दुःखी होते भोलाभाई कहते हैं ’ रानी और सादात खां की शाहदत काम न आ सकी, फिर भी बिठूर पेशवा, नानाजी, तात्या टोपे आदि अभी है जो सिंधिया से अलग इस हुकूमत के खिलाफ है ! एक बात और है कि यह उपन्यास कई गांठे खोलता है तो कुछ नई गांठे लगाता भी है यह इस उपन्यास में समाए समाज की निरंतरता को दर्शाता है कि फिर वही बातें आज भी होती रहती है! इसमें डॉ गोपाल की जन्म पत्रिका में दो तीन शादियों का उल्लेख एवं उनके द्वारा बच्चे होकर मृत हो जाने के कारण संतानोतपत्ति के लिए वे दूसरी शादी कर लेते हैं यद्यपि तब तक दो विवाह के विरुद्ध कोई क़ानून नहीं था फिर भी वे दूसरी शादी करते हैं यह एक प्रकार से एक पढ़े लिखे डॉ का जड़ व दकियानुसी विचार को बताता है और नई गांठ बनाता है ! चतुर्भुज तिवारी द्वारा नगर प्रमुख प्रशासन फ़िलोज़ को गज़धर के मकान तक ले जाना और तीनों भोला भाई, गोवर्धन और गुरू जी का पता बताना एक गद्दारी है जिसे डॉ गोपाल द्वारा आपत्ति करके उन्हें बताया जाता है, जबकि चतुर्भुज तिवारी इन तीनों को अंग्रेजी राज और श्रीमंत के खिलाफ बागी मानते है !

एक जगह जहाँ एक भोज में गरीबों को भोजन के स्थान पर जूठन परोसने की बात की गई वहाँ पर प्रगतिशील चेतना उस समाज की वर्णित है जिसमें इस बात का विरोध किया है तथा फिर वह भोजन जानवरो को खिलाया जाता है और मांगने वाले मजदूरों को अच्छा भोजन कराया जाता है यह छुआ छूत जैसी प्रथा के विरुद्ध आईना दिखाते समाज का चित्र है! अकबर खान और भगीरथ दोनों ही अंग्रेजो के खिलाफ बगावती तेवर के साथ सामने आते है खासकर अकबर खान के लिए तो होल्कर राज और अंग्रेजी राज दोनों ही जान से मारने के आदेश देते है, लेकिन वे बचते हुए अपने विचार की अलख जगाते रहते हैं, दोनों की अटूट मैत्री भी तत्कालीन समय के हिन्दू मुस्लिम एकता और भरोसे को बिम्बित करती है ! हालांकि बाद में अकबर खान, गोवर्धन पंडित, भोला भाई शहीद हो ही जाते हैं ! नुन्साई, जखोली, जालौन, इटोड़ा, से लेकर ग्वालियर, झाँसी,उज्जैन इंदौर, महिदपुर के बीच घूमते हुए यह उपन्यास अनेक पात्रों की कथाओं, उपकथाओं,घटनाओं को जोड़ता हुआ एक वृहद कथानक को समाविष्ट करते हुए लेखक की आत्मकथात्मक शैली में सामने आता है ! इस उपन्यास में नौगांव में ब्राह्मण सम्मेलन का उल्लेख है जिसमें डॉ गोपाल शामिल होने के लिए जाते हैं जो उस समय जातीय व्यवस्था व व्योहार को इंगित करता है कि जातीय सम्मेलन की जड़े कितनी गहरी है ! गुरूजी यानि हरिप्रसाद चौबे जी जो डॉ गोपाल की पहली पत्नी उमारानी के भाई है! इसमें एक बात दिलचस्प रूप से सामने आती है कि जहाँ डॉ गोपाल की पहली पत्नी उमरानी से तीन संतान होती है पर वे जीवित नहीं रह पाती, इसके बाद दूसरी शादी से होने वाली पांच संताने होती है और वे भी मर जाती हैं,और दूसरी पत्नी शांति देवी भी स्वर्गवासी हो जाती हैं, यहाँ ये भी इस उपन्यास से लक्षित होता है कि भारतीय समाज में वंश बेल को आगे बढ़ाने के लिए पुरुष एक से अधिक शादियां करता है और स्त्रीयों की स्थिति बुरी है जबकि दूसरी तरफ, सती प्रथा, विधवा विवाह जैसी नवाचार की वकालत करने वाले ब्रह्म समाज, आर्य समाज के सुधारक दयानन्द सरस्वती, राजाराम मोहन राय आदि खड़े हो चुके हैं ! मुझे इस विरद उपन्यास में एक बात कम लगी कि इसमें किसानों की स्थिति का उल्लेख कहीं नहीं मिलता जबकि वहाँ किसानों का बहुत बुरा हाल है और वे आजादी के आंदोलन में सक्रिय रहे संभवतः लेखक को यह तथ्य अपने पूर्वजों के दस्तावेज में न मिले हों यह एक कारण हो सकता है ! दो शादी के बाद भी संतान न रहने के कारण डॉ. गोपाल का तीसरी शादी के लिए तैयार होने का अंदेशा भी एक वार्ता में सामने आता है, यह पढ़े लिखे डॉ गोपाल के माध्यम से सामाजिक व्यवस्था की मनोदशा को लक्षित करता है, डॉ. गोपाल गोद लिए गए बेटे उमाशंकर को मन से उत्तराधिकारी नहीं मान पाते हैं उन्हें अपनी खुद की संतान चाहिए और पंडित शालीग्राम अपनी ज्योतिष के अनुसार उनके तीन विवाह योग की बात करते हुए उन्हें तीसरे विवाह के लिए मना लेते हैं और फिर लक्ष्मी देवी से उन्हें तीन पुत्री और एक पुत्र प्राप्त होता है ऐसे में वे पहली पत्नी उमा व गोद लिए पुत्र उमाशंकर के प्रति उदासीन हो जाते है! शिप्रा नदी का उल्लेख है जिसमें माघ पूर्णिमा के स्नान महत्व को रेखांकित किया गया है लेकिन शिप्रा नदी की हालत पर तत्कालीन समय में भी दशा को देखकर कहा गया है ’ अब उसे (क्षिप्रा) को नदी मानने का मन नहीं होता’ यह व्यंजना यदि शिप्रा पर उस समय में की जा रही थी तब आज की शिप्रा को हम क्या ही कहेंगे, वैसे व्यापक संदर्भ में लेखक ने नदियों के प्रति विमर्श का एक पहलू इंगित किया है! यह उपन्यास पीढ़ियों के बीत जाने के अंतराल की कथा है, जिसके नायक हर बार पीढ़ी बदलने पर बदलते रहते हैं, प्रारम्भ में प्रभास से चलते हुए यह उत्कर्ष की तरफ जाते हुए डॉ गोपाल, और फिर उमाशंकर जैसे पात्र के इर्द गिर्द घूमने लगता है, स्त्री पात्रों में मुझे डॉ गोपाल की पहली पत्नी उमारानी एक सशक्त, जागरूक और सामाजिक रूढ़ियों से मुकाबला करती लगी, सवाल उठाती हुई लगी, लेकिन साथ ही भारतीय सामाजिक मूल्यों पर बने पारिवारिक ढांचे के प्रति अपने गृहणी की भूमिका के प्रति अत्यंत सरल, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का वहन करने वाली पात्र की तरह लगी ! डॉ गोपाल की तीसरी पत्नी लक्ष्मी देवी में उमारानी के प्रति ईर्ष्या का भाव है और इसी के चलते वह उमारानी के बच्चों से अपने बच्चों को दूर रखती है इस तरह बच्चों के मन में गांठे पड़ने लगती है और कई रिश्तों की गांठे खुलने के साथ यह उपन्यास नई गांठो की निर्मिति करता है ! परिवार के बीच ओछेपन और टुच्चेचेपन की दृश्यावली भी इस उपन्यास में हैं जहाँ परिवार में ही भोजन अनाज तोलकर दिया जा रहा है ! इस उपन्यास में डॉ. गोपाल की पहली पत्नी उमारानी की मृत्यु जो उनके मायके में होती है वह बहुत मार्मिक और करुण लगती है, जिसमें पति और संतान दोनों नहीं पहुंचते, यह स्थिति रिश्तों की उदासीनता को प्रदर्शित करती है ! उज्जैन में सिंधिया घराने के द्वारा जनपक्ष और आमजन के लिए किये गए विकास, सौंदर्य में घंटाघर, कोठी पैलेस, फ्रीगंज ब्रिज, कालेज, केडी पैलेस, महाराजवाड़ा स्कूल, जिला हॉस्पिटल, बायजा बाई की हवेली, गोपाल मंदिर बनाए जाने का यशगान भी है जो नागरिकों में भी दिखाई दिया किन्तु लेखक यहाँ उनकी अंग्रेज पररस्त प्रव्रती को भी बराबर इंगित करते हैं! दरअसल मुझे लगता है यह पीढ़ियों के अनसुलझे रिश्तों की कई गांठो को खोलने और नई गांठे लगाने की कहानी लगती है! पात्रों की अधिक मात्रा, भटकाव पैदा करती है लेकिन यह कई परिवार और सात पीढ़ियों की समग्रता के समावेशीकरण में जायज लगता है! उपन्यास अपने अंत की तरफ जाते हुए पुन : कथा के सूत्रधार बने प्रभास और निर्मला पर लौटता है जहाँ, मुखिया परिवार के पीढ़ियों की कथा की लिखित दस्तावेजों की लाल किताब, प्रभास के हाथ लगती है, मजेदार बात यह है कि इसमें भी प्राककथन में प्राचीन भारतीय इतिहास फहियान, मैगस्थनिज, वेहनसंग से लेकर 1976 इंदिरा गाँधी तक का जिक्र है जिसे तंज में सूत्रधार द्वारा कहा गया कि यह परिवार और पीढ़ियों का इतिहास है या भारत का इतिहास ? पूरे उपन्यास में भारतीय परिवारों की रोजमर्रा जिंदगी की बोलचाल की भाषा, बुंदेलखंड की टोन, दिखाई देती है! अंत में यह कि इस उपन्यास का प्रारम्भ एक ठहराव के साथ सामने आता है फिर कुछ लय और गति में चलता है मध्य में भी रफ्तार कुछ कम होती है किन्तु फिर इसकी गतिशीलता और रोचक तत्व इसे अधिक पठनीय बनाते हैं ! निश्चित ही यह आदरणीय हरीश पाठक सर के प्रति एक विनम्र श्रद्धांजलि की बड़ा सोपान होगा और साहित्य रसिक पाठकों में समुचित जगह बनाएगा !

राजेश सक्सेना
48- हरिओम विहार उज्जैन
मो. 7869408734

एक जगह जहाँ एक भोज में गरीबों को भोजन के स्थान पर जूठन परोसने की बात की गई वहाँ पर प्रगतिशील चेतना उस समाज की वर्णित है जिसमें इस बात का विरोध किया है तथा फिर वह भोजन जानवरो को खिलाया जाता है और मांगने वाले मजदूरों को अच्छा भोजन कराया जाता है यह छुआ छूत जैसी प्रथा के विरुद्ध आईना दिखाते समाज का चित्र है! अकबर खान और भगीरथ दोनों ही अंग्रेजो के खिलाफ बगावती तेवर के साथ सामने आते है खासकर अकबर खान के लिए तो होल्कर राज और अंग्रेजी राज दोनों ही जान से मारने के आदेश देते है, लेकिन वे बचते हुए अपने विचार की अलख जगाते रहते हैं, दोनों की अटूट मैत्री भी तत्कालीन समय के हिन्दू मुस्लिम एकता और भरोसे को बिम्बित करती है ! हालांकि बाद में अकबर खान, गोवर्धन पंडित, भोला भाई शहीद हो ही जाते हैं ! नुन्साई, जखोली, जालौन, इटोड़ा, से लेकर ग्वालियर, झाँसी,उज्जैन इंदौर, महिदपुर के बीच घूमते हुए यह उपन्यास अनेक पात्रों की कथाओं, उपकथाओं,घटनाओं को जोड़ता हुआ एक वृहद कथानक को समाविष्ट करते हुए लेखक की आत्मकथात्मक शैली में सामने आता है !

शेयर मार्केट निवेश के नाम पर 7 लाख की ठगी

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक मानवता नगर निवासी तरुण चौहान मनोरमागंज क्षेत्र में कैफे संचालित करते हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि उनकी पहचान उत्तर प्रदेश के रायबरेली निवासी अभिषेक पाल से हुई थी। अभिषेक ने खुद को शेयर मार्केट निवेशक बताते हुए एप्लीकेशन के जरिए निवेश करने पर कई गुना मुनाफा दिलाने का भरोसा दिया।

आरोपी की बातों में आकर तरुण ने 24 अप्रैल 2025 से 4 अक्टूबर 2025 के बीच अलग-अलग ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 7 लाख 23 हजार रुपए अभिषेक के खाते में ट्रांसफर कर दिए। आरोपी हर ट्रांजेक्शन के स्क्रीनशॉट और रसीद भी भेजता था, जिससे फरियादी को भरोसा बना रहा। कुछ समय बाद अभिषेक ने तरुण के फोन उठाना बंद कर दिए और निवेश की रकम भी वापस नहीं की।

शहर में स्वच्छता के साथ सौर ऊर्जा की बढ़ी जागरूकता

महापौर का जनता से आह्वान, करें सहयोग

इंदौर

इंदौर में स्वच्छता के साथ-साथ सौर ऊर्जा के प्रति भी तेजी से जागरूकता बढ़ रही है। रविवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव धेनू मार्केट इलाके में पहुंचे। यहां सफाई व्यवस्था को चेक किया। वहीं हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी के सोलर मॉडल को शहर के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बताया। महापौर ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था को और ज्यादा प्रभावी बनाए रखने को कहा। इसके बाद उन्होंने हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी में रहवासियों के साथ मुलाकात कर शहर के विकास, स्वच्छता और ऊर्जा संरक्षण पर बात की। महापौर ने कहा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने में लोगों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इंदौर

को क्लीन सिटी से सोलर सिटी बनाने का संकल्प लिया गया था, जिसकी शुरुआत 'हर घर सोलर' अभियान से की गई। 900 मेगावाट के लक्ष्य में से लगभग 100 मेगावाट क्षमता लोग खुद अपने घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगा रहे हैं। हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी इस दिशा में एक आदर्श उदाहरण है। सोसाइटी के सभी 35 फ्लैट मालिकों के पास व्यक्तिगत सोलर कनेक्शन है, जबकि कॉमन उपयोग के लिए भी पूरी इमारत की छत पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किया गया है। महापौर ने जनता से अपने घरों और बिल्डिंगों में सोलर रूफटॉप स्थापित कर बिजली बिल को शून्य करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

छत्रपति संभाजी महाराज के नाम से हो चौराहा व प्रतिमा स्थापना की मांग

शिवसेना युवासेना ने जयंती पर निकाली भव्य वाहन रैली

इंदौर

शिवसेना युवासेना द्वारा छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर में भव्य वाहन रैली निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए शिवाजी वाटिका पहुंची। यहां कार्यकर्ताओं ने संभाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला अध्यक्ष धीरज कालरा ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज हिंदू स्वराज के महान रक्षक और वीर योद्धा थे, जिन्होंने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। वे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिवसेना युवासेना मध्यप्रदेश राज्य प्रमुख अनुराग

सोनार ने इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मांग की कि शहर में छत्रपति संभाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाए तथा किसी प्रमुख चौराहे का नाम उनके नाम पर रखा जाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित रहे।

तालाब में दोस्त के साथ नहाने गया किशोर डूबा, सर्चिंग में जुटी टीम

इंदौर। इंदौर के टिगरिया तालाब में एक किशोर नहाने के दौरान डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था और ठीक से तैरना नहीं जानता था। तालाब में लापता होने की खबर मिलने पर पुलिसकर्मी और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अंधेरा होने तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाला कृष्णा राजावत अपने दोस्तों मयंक, शिवांशु, प्रिंस और अमन के साथ नहाने गया था। वह गहरे पानी में चला गया और उसके बाद नजर नहीं आया। दोस्तों ने उसे पानी में खोजा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद वे तालाब से बाहर आए और परिजनों को सूचना दी। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि छह दोस्त तालाब में नहाने गए थे, जिनमें तीन गहरे पानी में गए थे और कृष्णा भी उनके साथ था। कृष्णा दसवीं कक्षा का छात्र था और अक्सर दोस्तों के साथ इस तालाब में नहाने आता था। जब उसके डूबने की जानकारी मिली, तो परिजन भी मौके पर पहुंचे। शाम तक एनडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कृष्णा का कोई पता नहीं चला। सोमवार को फिर से उसकी खोज के लिए टीम तालाब में उतरेगी।

इंदौर। भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली जागरूकता रैली, जिसमें प्रधानमंत्री की अपील अपनाने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए यह रैली निकाली गई।

कृषि रथ का शुभारंभ- किसानों को दी जा रही नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी

इंदौर

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष (कृषक कल्याण वर्ष) के रूप में मनाया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में म.प्र. शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार कृषि एवं संबद्ध विभागों जैसे कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन आदि के माध्यम से किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच सीधा संपर्क स्थापित कर नवीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी सुधारों की जानकारी कृषकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से खरीफ फसलों की बुआई हेतु जिले के चारों विकासखंडों में 16 मई 2026 से 10 दिवस तक कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट द्वारा विकासखंड सांवेर में वर्चुअली जुड़कर कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विधायक सुश्री उषा ठाकुर द्वारा विकासखंड महू के ग्राम बाईग्राम में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसी प्रकार विकासखंड इंदौर एवं देपालपुर में भी जनप्रतिनिधियों द्वारा कृषि रथ को रवाना किया गया। कृषि रथ प्रतिदिन तीन से चार ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगा तथा विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों तक पहुँचेगा।

इस तकनीकी रथ में कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, उद्यानिकी, पशुपालन आदि विभागों के कृषि वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ शामिल हैं।

आर्थिक कल्याण योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित

इंदौर। प्रबंध संचालक, म.प्र. अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, भोपाल द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, झाबुआ को प्राप्त हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत एक लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक की सहायता राशि हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन योजनाओं का लाभ केवल नवीन उद्योग, सेवा क्षेत्र एवं व्यवसाय स्थापित करने हेतु प्रदान किया जाएगा।

शनि जन्मोत्सव पर जानकी नगर युवा संघ ने बांटी शीतल छाछ

भीषण गर्मी में 1000 से अधिक राहगीरों को मिली राहत, सेवा भाव से युवाओं ने संभाली व्यवस्था

इंदौर

भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को शनि जन्मोत्सव के अवसर पर जानकी नगर युवा संघ द्वारा अग्रसेन चौराहा स्थित सीएसपी कार्यालय के बाहर शीतल छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा प्रकल्प के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 1000 से अधिक राहगीरों, वाहन चालकों और आमजन को ठंडी छाछ वितरित की गई। छाछ पाकर लोगों ने राहत महसूस की और युवा संघ के इस प्रयास की सराहना की।

आयोजन में संघ के युवाओं ने पूरे उत्साह और सेवा भाव के साथ व्यवस्थाएं

संभालीं।

कार्यक्रम में अशोक दरडा, पदम छल्लानी, अशोक लूणावत, शिखर बाफना, नितेश मोदी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। एसीपी विजय चौधरी, डीएसपी पवन सिंघल एवं पुलिस अधिकारियों का भी आयोजन में सहयोग रहा।

हवा में ही दुश्मन के ड्रोन को निष्क्रिय करेगा नागपाश

शहर में बना उड़ता ड्रोन जैमर, स्वॉर्म अटैक' करेगा बेअसर

इंदौर। इंदौर के स्टार्टअप्स ने देश की सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहां के तीन स्टार्टअप्स ने मिलकर हाईटेक ड्रोन 'नागपाश' डेवलप किया है। यह भारतीय रक्षा तकनीक की नई ताकत बनकर उभर रहा है। यह देश का पहला 'एयर टू एयर जैमिंग सिस्टम' है, जो हवा में उड़कर दुश्मन के ड्रोन को निशाना बनाता है और उसके नेविगेशन सिस्टम को निष्क्रिय कर हवा में ही गिरा देता है।

कंपनी का दावा है कि 'नागपाश' अपनी निर्धारित सीमा में आने वाले किसी भी ड्रोन को भ्रमित कर उसे दुर्घटनाग्रस्त कर सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इसके प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे भारतीय सेना के लिए बेहद उपयोगी तकनीक बताया है। हाल ही में प्रयागराज में आयोजित 'नॉर्थ टेक 2026' कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को 'नागपाश' का प्रेजेंटेशन दिखाया गया। कंपनी के सीईओ और सीटीओ अभिषेक मिश्रा ने बताया कि रक्षा मंत्री ने इसे भारतीय सेना के लिए बेहद उपयोगी तकनीक बताया।

इंदौर के डायल-112 हीरोज

बेहोशी की हालत में मिले घायल बुजुर्ग को समय पर पहुँचाया अस्पताल

इंदौर

इंदौर जिले के थाना विजय नगर क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय कार्यवाही से बेहोशी की हालत में मिले घायल बुजुर्ग को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया तथा परिजनों से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया गया।

17 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना विजय नगर क्षेत्र अंतर्गत एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल अवस्था में पड़े हुए हैं एवं तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही विजय नगर थाना क्षेत्र में तैनात डायल 112 वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

डायल-112 स्टाफ आरक्षक सुनील कुमार मालवीय, आरक्षक करण चौधरी एवं पायलट श्री सचिन मौर्य ने मौके पर पहुँचकर पाया कि बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर रूप से घायल थे तथा बातचीत करने की स्थिति में भी नहीं थे।

डायल-112 जवानों ने तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल घायल बुजुर्ग को डायल 112 वाहन में सुरक्षित बैठाकर अस्पताल पहुँचाया।

अस्पताल में भर्ती कराने के पश्चात भी डायल-112 टीम ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा बुजुर्ग की फोटो के माध्यम से उनके परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया।

पुलिस जवानों के त्वरित प्रयासों से बुजुर्ग के भतीजे से संपर्क स्थापित हुआ, जो सूचना मिलते ही अस्पताल पहुँचे। डायल-112 जवानों की त्वरित, संवेदनशील एवं समर्पित कार्यवाही से घायल बुजुर्ग को समय पर चिकित्सा सहायता एवं पारिवारिक सहयोग उपलब्ध कराया जा सका।डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आमजन, विशेषकर जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्तियों की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

कृषकों से उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

इंदौर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अंतर्गत संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन योजना के तहत मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के लिए जिले के उत्कृष्ट एवं नवाचारी कृषकों से पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कृषिगत क्षेत्रों में उन्नत तकनीक अपनाकर बेहतर उत्पादन एवं उत्पादकता प्राप्त करने वाले कृषकों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया जाएगा। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी गतिविधियों में आधुनिक, नवाचारी एवं परिणाममूलक तकनीकों को सफलतापूर्वक अपनाने वाले कृषक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पुरस्कार हेतु कृषकों का चयन उनके द्वारा अपनाई गई तकनीकों, उत्पादन, उत्पादकता एवं नवाचार के आधार पर मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा।

विद्यालय में 'गौरव सम्मान समारोह 2025-26' का भव्य आयोजन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

इंदौर

मदीना नगर स्थित डॉ एपीजे अबुल कलाम पब्लिक स्कूल द्वारा शनिवार, 9 मई 2026 को रीगल चौराहा स्थित प्रीतमलाल दुआ सभागृह में गौरव सम्मान समारोह 2025-26 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना था। कार्यक्रम में शिक्षा, प्रशासन एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में डॉ. डी.के. शर्मा, संतोष हाड़ा, जावेद खान, प्रभा भास्कर तथा दुर्गा मैडम विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय के संचालक मज़ीद शेख द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय कम समय में शिक्षा, अनुशासन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में अपनी अलग

पहचान बना रहा है। साथ ही विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने के प्रयासों को भी सराहनीय बताया गया। अतिथियों ने गौरव सम्मान समारोह जैसे प्रेरणादायक आयोजनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का कार्य करते हैं।

दो मैंगो शेक प्रतिष्ठानों में खाद्य कारोबार बंद

हाट बाजारों में हल्दी जांच अभियान जारी कुल 12 नमूने जांच हेतु लिए

इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पेय पदार्थों एवं खुले बाजारों में विक्रय किए जा रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच हेतु सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं हाट बाजारों में निरीक्षण एवं जांच कार्रवाई की गई।

गुजरात रस पर कार्रवाई

स्नेहलतागंज, इंदौर स्थित गुजरात रस का निरीक्षण किया गया। मौके पर निर्माता राजेंद्र पटेल उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान मैंगो शेक निर्माण एवं विक्रय किया जाना पाया गया। मौके से दो मैंगो शेक, शक्कर एवं खाद्य रंग, इस प्रकार कुल 4 नमूने जांच हेतु लिए गए।

निरीक्षण में खाद्य पंजीयन में प्रतिष्ठान का पता व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से अंकित नहीं पाया गया। उक्त अनियमितता के कारण आगामी आदेश तक निर्माण कार्य अवरुद्ध कराया गया। योगी आमरस भंडार, 17 सुभाष मार्ग, चिमन बाग चौराहा, इंदौर का खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा निरीक्षण किया गया।

मौके पर चंद्रहास पटेल, प्रोपराइटर, खाद्य प्रतिष्ठान का संचालन करते हुए पाए गए। निरीक्षण के दौरान परिसर में मैंगो शेक का विक्रय किया जाना पाया गया। मौके पर प्रतिष्ठान हेतु वैध खाद्य पंजीयन उपलब्ध नहीं पाया गया। मौके से मैंगो शेक एवं मैंगो शेक निर्माण में उपयोग किए जाने वाले खाद्य रंग के कुल दो नमूने जांच हेतु लिए गए। प्रतिष्ठान में संबंधित खाद्य प्रकार हेतु वैध खाद्य पंजीयन नहीं पाए जाने के कारण वैध पंजीयन प्राप्त किए जाने तक खाद्य कारोबार बंद कराया गया।

कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा खुले बाजार एवं हाट बाजारों में विक्रय की जा रही हल्दी की गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के परिपालन में आज दिनांक 17 मई 2026 को सनावदिया हाट बाजार में खाद्य पदार्थ हल्दी की प्रारंभिक जांच की गई।

साथ ही मालवा मिल क्षेत्र एवं आसपास के हाट बाजार क्षेत्रों में भी हल्दी की जांच कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त पूर्व में मांगलिया हाट एवं मुसाखेड़ी क्षेत्र में भी हल्दी की जांच की जा चुकी है। अब तक की गई प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की मिलावट सामने नहीं आई है, किंतु विस्तृत जांच हेतु नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विशेष रूप से खुले बाजारों एवं मौसमी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जांच एवं सैंपलिंग कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नंगे पैर भागवतजी को मस्तक पर धारण कर 108 विद्वानों-यजमानों ने की हंसदास मठ की परिक्रमा

इंदौर

एयरपोर्ट रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य मे रविवार को सुबह हंस पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामचरणदास एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास के सान्निध्य में 108 विद्वानों ने भगवान रणछोड़जी एवं टीकमजी सहित सभी देवी-देवताओं की साक्षी में भागवत के मूल पारायण का शुभारंभ किया।

इसके पूर्व मठ परिसर में यजमानों एवं संत-विद्वानों ने नंगे पैर भागवतजी को मस्तक पर धारण कर परिक्रमा भी की। भागवतजी के साथ भगवान पुरुषोत्तम एवं टीकमजी के जयघोष के बीच विद्वानों ने पहले मंडल स्थापना की, फिर मंडल पूजन एवं गणेश अम्बिका पूजन के पश्चात भागवत एवं रामायण के पारायण तथा ओम नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र का जाप भी प्रारम्भ हुआ। मठ परिवार के महंत पं. अमितदास महाराज ने बताया

कि मठ की परम्परा के अनुसार अधिकमास के उपलक्ष्य में रविवार से पूरे माह प्रतिदिन सुबह 9 से 12 एवं शाम 4 से 7 बजे तक 108 विद्वानों द्वारा यह दिव्य अनुष्ठान किया जाएगा जो 15 जून तक चलेगा। शोभायात्रा में भक्त मंडल के हरि अग्रवाल, अशोक गोयल, राजेंद्र सोनी, राजेंद्र गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।महंत अमितदास ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में प्रतिदिन आरती एवं ब्राह्मण तथा संतों के लिए प्रसादी भी होगी। सभी कार्यक्रमों की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सहायक कुलसचिव भर्ती परीक्षा, 9 केंद्रों पर 3103 अभ्यर्थी शामिल, व्यवस्था के किए गए विशेष इंतजाम

भोपाल। राजधानी भोपाल में रविवार को सहायक कुलसचिव भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा एक ही सत्र में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक होगी। इसके लिए शहर में 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 3103 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, बैठने और निगरानी की पुख्ता व्यवस्थाएं की हैं। परीक्षा केंद्र गिन्नोरी, बैरागढ़, आनंद नगर, अरेरा कॉलोनी, स्टेशन क्षेत्र, गांधी नगर और मिसरोद सहित विभिन्न इलाकों में बनाए गए हैं। आनंद नगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैरागढ़ कन्या विद्यालय और अरेरा कॉलोनी के नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल में सबसे अधिक 400-400 अभ्यर्थियों की व्यवस्था की गई है। वहीं गिन्नोरी स्थित हमीदिया स्कूल में 350 और मिसरोद केंद्र पर 360 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रशासन ने अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने और आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अपील की है। शहर में अलग- अलग क्षेत्रों में परीक्षा केंद्र होने के कारण यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

शिवराज के पौधारोपण अभियान से जुड़े युवा रंग कर्मी अदनान

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पौधारोपण अभियान में रविवार को रंगमंच कलाकार अदनान खान शामिल हुए। राजधानी भोपाल में उन्होंने शिवराज सिंह चौहान के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान दोनों ने पौधों की देखभाल और अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प भी लिया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और कलाकारों की भागीदारी से यह संदेश अधिक लोगों तक पहुंचता है। उन्होंने बताया कि उनका दैनिक पौधारोपण अभियान 19 फरवरी 2021 से लगातार जारी है, जिसके तहत वे प्रतिदिन एक पौधा लगाते हैं और और लोगों को विशेष अवसरों पर पौधारोपण के लिए प्रेरित करते हैं।

अब खदानों के आसपास का 15 किमी दायरा खनन प्रभावित मानेगी सरकार

भोपाल। अब खदान अथवा खनन क्षेत्र से 15 किलोमीटर तक का क्षेत्र प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र माना जाएगा, जबकि 25 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में रखा जाएगा। इसके चलते क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष विकास और कल्याणकारी योजनाएं लागू होंगी। नई व्यवस्था में जिला खनिज प्रतिष्ठान द्वारा किए जाने वाले भुगतान अब पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे। साथ ही योजनाओं की निगरानी और खर्च का लेखा-जोखा भी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। दरअसल, यह बदलाव राज्य सरकार ने जिला खनिज प्रतिष्ठान नियमों में बड़ा संशोधन करने से प्रभावी हुए हैं। सरकार ने तय किया है कि अब खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए पांच वर्षीय और वार्षिक योजनाएं तैयार की जाएंगी, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता, महिला एवं बाल कल्याण, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। खनिज साधन विभाग की ओर से इसको लेकर किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार जिला खनिज प्रतिष्ठान की योजनाएं ग्राम सभा, पंचायत, नगरीय निकाय तथा प्रभावित समुदायों से मिले सुझावों के आधार पर बनाई जाएंगी। योजनाओं के निर्माण में प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों की सहायता भी ली जा सकेगी। पांच वर्षीय योजना का अनुमोदन जिला खनिज प्रतिष्ठान के मंडल द्वारा किया जाएगा तथा इसे जिले के पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र पर फोकसः इस मामले में सरकार ने स्पष्ट किया है कि खदान अथवा खनन क्षेत्र से 15 किलोमीटर तक का क्षेत्र प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र माना जाएगा, जबकि 25 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में रखा जाएगा। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष विकास और कल्याणकारी योजनाएं लागू होंगी। नए नियमों में पेयजल आपूर्ति, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और स्कूल-कॉलेजों के विकास पर विशेष जोर रहेगा। खनन प्रभावित क्षेत्रों में अस्पताल, मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सकीय उपकरण और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में छात्रावास, पुस्तकालय, ई-लर्निंग सुविधाएं और छात्रवृत्ति योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। जबकि महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं दिव्यांगजन सहायता, स्वच्छता अभियान, आवास योजना और कृषि आधारित गतिविधियों को भी नई योजना में शामिल किया गया है। कौशल विकास और आजीविका सृजन पर भी फोकस करते हुए स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण, स्वरोजगार और रोजगार से जोड़ने के प्रावधान किए हैं। भुगतान पूरी तरह डिजिटलः नए नियमों के तहत खनिज प्रतिष्ठान द्वारा किए जाने वाले भुगतान अब पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे। योजनाओं की निगरानी और खर्च का लेखा-जोखा भी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इन संशोधनों का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विकास करना, पर्यावरणीय नुकसान को कम करना और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

यह भी प्रावधान किया गया है कि जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि का न्यूनतम 70 प्रतिशत हिस्सा सीधे खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास कार्यों पर खर्च होगा। वहीं शेष राशि अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं और जनहित परियोजनाओं पर उपयोग की जा सकेगी। मॉनिटरिंग समिति योजनाओं की निगरानी के लिए राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का गठन भी किया गया है। समिति में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे, जो योजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय उपयोग की समीक्षा करेंगे। राज्य स्तरीय समिति में मुख्य सचिव अध्यक्ष होंगे।

राजधानी में हुआ भव्य आयोजन

समवन फॉर समवन' थीम पर सजा नेवी एनसीसी एल्युमिनी फंक्शन

भोपाल। राजधानी भोपाल में रविवार को नेवी एनसीसी के पूर्व कैडेट्स का चौथा एल्युमिनी फंक्शन आयोजित किया गया। मिंटो हॉल के पास स्थित एमवीएम कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में 1975 बैच से लेकर वर्तमान तक के एक्स कैडेट्स और नेवी ऑफिसर्स शामिल हुए। देश के अलग-अलग शहरों से पहुंचे पूर्व कैडेट्स ने वर्षों बाद एक-दूसरे से मुलाकात कर प्रशिक्षण के दिनों की यादें ताजा कीं। नेवल यूनिट एनसीसी एल्युमिनी एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की थीम 'समवन फॉर समवन' रखी गई। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ शाम 6 बजे हुआ, जबकि कैडेट्स का आगमन शाम 5 बजे से शुरू हो गया था। आयोजन में एनसीसी का मूल मंत्र 'एकता और अनुशासन' साफ नजर आया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. वी.के. पराशर, लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. चंचल भुट्टन, लेफ्टिनेंट कमांडर एडी सिंह और लेफ्टिनेंट अनिल राजपूत समेत बड़ी संख्या में नेवी ऑफिसर्स और पूर्व कैडेट्स मौजूद रहे। आयोजन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परिचय सत्र और कई विशेष गतिविधियां आयोजित की गई।पूर्व कैडेट्स ने पुराने प्रशिक्षण दिनों को याद करते हुए फ्रंट रोल और फॉग जंप के साथ हॉल में प्रवेश किया। वहीं युवा कैडेट्स ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में शामिल कैडेट्स ने कहा कि एनसीसी ने उन्हें अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का पाठ सिखाया, जो आज भी उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्वास्थ्य सेवाओं पर संकट के आसार

भोपाल। मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत करीब 32 हजार संविदा कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान कर दिया है। कर्मचारियों ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा करते हुए कहा है कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर फैसला नहीं लिया तो 2 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। वहीं आंदोलन के अंतिम चरण में 8 जून को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। संविदा कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों का आरोप है कि पूर्व में सरकार ने उनकी कई मांगों पर सहमति जताई थी, लेकिन एक साल गुजरने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। कर्मचारियों ने नियमितीकरण, एनपीएस और स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ, हर वर्ष 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि, महंगाई भत्ता, वेतन विसंगतियों का निराकरण, नियमित कर्मचारियों जैसी छुट्टियां और समान काम के बदले समान वेतन जैसी मांगें रखी हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से इन मुद्दों को उठाया जा रहा है, लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा। आंदोलन की शुरुआत 25 मई से होगी। 25 से 27 मई तक कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। इसके बाद 28 और 29 मई को कलेक्टर, सीएमएचओ और बीएमओ को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

कांग्रेस में बड़ी सर्जरी की तैयारी

निष्क्रिय जिला अध्यक्षों पर गिरेगी गाज

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। पार्टी निष्क्रिय और कमजोर प्रदर्शन करने वाले जिला अध्यक्षों पर कार्रवाई की तैयारी में है। संगठन स्तर पर जिला अध्यक्षों के कामकाज की समीक्षा शुरू हो गई है और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित नेताओं से वन टू वन चर्चा की जाएगी, जिसके बाद संगठनात्मक कार्रवाई तय होगी। कांग्रेस संगठन में हुए हालिया संगठन सृजन के दौरान कई नेताओं को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब पार्टी नेतृत्व उनकी सक्रियता, जनसंपर्क और संगठनात्मक प्रदर्शन का आकलन कर रहा है। माना जा रहा है कि जिन जिला अध्यक्षों का प्रदर्शन कमजोर पाया जाएगा या जो लंबे समय से निष्क्रिय हैं, उन्हें हटाया जा सकता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने भी संकेत दिए हैं कि संगठन सृजन के मूल सिद्धांतों के आधार पर समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने के लिए काम कर रही है तथा कार्यकर्ताओं और जनता से जुड़ाव बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। इधर, पीसी शर्मा ने बढ़ती महंगाई और सीएनजी कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई से परेशान है और सरकार अपने पुराने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेंडर और दूध के बढ़ते दामों को लेकर केंद्र की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए।युवाओं को लेकर कांग्रेस की रणनीति पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि पार्टी लगातार युवा मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं, किसानों और छात्रों के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। नीट परीक्षा विवाद, रोजगार और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर पार्टी लगातार आवाज बुलंद कर रही है।

मप्र में 5 हजार से ज्यादा ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रदेशभर में 5 हजार से ज्यादा लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (पीटीआरआई) द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। प्रदेश में 26 अप्रैल से 10 मई 2026 तक 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने रिकॉर्ड स्तर पर चालानी कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर सख्ती दिखाई। खासतौर पर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में हेलमेट नहीं पहनने वाले करीब 98 हजार दोपहिया वाहन चालकों के चालान काटे गए। इससे 2 करोड़ 87 लाख रुपए से ज्यादा का जुर्माना वसूला गया। वहीं गंभीर ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में 5253 ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सड़क हादसों में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

बुजुर्ग डॉक्टर से चेन लूटकर भाग रहे बदमाश पकड़ाए

इंदौर। इंदौर में तिलक नगर थाना पुलिस ने चेन स्नेचिंग की वारदात करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक बुजुर्ग महिला डॉक्टर की सोने की चेन लूटकर भाग रहे थे, लेकिन इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। तिलक नगर पुलिस के मुताबिक 74 वर्षीय रिटायर्ड डॉक्टर कीर्ति तिवारी अपने घर से मंदिर जा रही थीं। तभी बाइक सवार बदमाश जाहिद पुत्र मेंहदी हुसैन निवासी खिलचीपुर और गुफरान पुत्र बाबू अली निवासी पचोर वहां पहुंचे और उनके गले से सोने की चेन झपट ली। वारदात के दौरान चेन का कुछ हिस्सा महिला के गले में रह गया, जबकि बाकी हिस्सा आरोपियों के हाथ में चला गया।चेन लूटकर भागने के दौरान आरोपियों की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत दोनों बदमाशों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में दोनों आरोपियों के हाथ और पैर में चोट आई है। फिलहाल पुलिस उनसे अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ निगम की सख्ती

आवासीय भूखंडों पर चल रही होटलों को किया सील

इंदौर।

शहर के महालक्ष्मी नगर क्षेत्र में नगर निगम ने अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज कर दिया है। निगम की टीम ने हाल ही में आवासीय भूखंडों पर नियमों के विरुद्ध बनाई गई तीन और होटलों को पूरी तरह से सील कर दिया है। इस नए एक्शन के बाद अब तक इस विशेष इलाके में सील की जा चुकी होटलों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई है।

प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम द्वारा पूर्व में यहां कुल 25 होटलों को नियमों के उल्लंघन को लेकर नोटिस जारी किए गए थे, जिसके बाद यह कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज हो गई है कि निगम प्रशासन आवासीय भूखंडों पर धड़ल्ले से चल रहे अवैध हॉस्टलों के खिलाफ वैसी तत्परता नहीं दिखा रहा है, जैसी होटलों के खिलाफ देखी जा रही है।

महालक्ष्मी और चिकित्सक नगर में पहुंचा अमला

नगर निगम के जोन नंबर 8 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 37 के महालक्ष्मी नगर और चिकित्सक नगर में निगम के अमले ने अचानक पहुंचकर तीन होटलों पर तालाबंदी की कार्रवाई को अंजाम दिया। ये होटलें पूरी तरह से आवासीय अनुमति वाले भवनों में अवैध रूप से व्यावसायिक तौर पर संचालित की जा रही थीं। निगम की टीम ने इस अभियान के दौरान महालक्ष्मी नगर स्थित होटल न्यू आरके, चिकित्सक नगर की होटल एकोदिया और होटल गोल्डन स्टाफ को सील करने की वैधानिक कार्रवाई पूरी की है। गौरतलब है कि इससे ठीक पहले भी निगम ने इसी क्षेत्र की स्कीम नंबर 94 सेक्टर ईबी में एक साथ 16 होटलों को सील करने का बड़ा कदम उठाया था। इस पूरी मुहिम को मिलाकर अब तक कुल 19 होटलों को बंद कराया जा चुका है। क्षेत्र की पार्षद संगीता महेश जोशी ने इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि इससे स्थानीय रहवासियों को बहुत बड़ी राहत मिली है, लेकिन मुख्य और प्रभावी कार्रवाई होना अभी भी बाकी है।

नोटिस के बाद भी हो रहे थे संचालित

स्थानीय पार्षद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम ने इस पूरे क्षेत्र में चिन्हित की गई 25 होटलों को पहले ही कानूनी नोटिस थमा दिए थे। इनमें से 19 होटलों को अब तक सील कर दिया गया है, जबकि 6 अन्य होटलों पर अभी भी कार्रवाई होना शेष है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रहवासी इलाकों के बिल्कुल बीचों-बीच चल रही होटलों पर कार्रवाई करना बेहद अनिवार्य है, क्योंकि इन स्थानों पर लगातार कई प्रकार के अनैतिक काम होने की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे पूरे क्षेत्र का सामाजिक और पारिवारिक माहौल पूरी तरह दूषित हो रहा था। पार्षद ने एक और महत्वपूर्ण आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि निगम प्रशासन ने इस इलाके में कुल 39 अवैध हॉस्टलों को भी नोटिस जारी किए थे। ये सभी हॉस्टल भी बिना अनुमति के पूरी तरह से आवासीय भूखंडों पर व्यापारिक तौर पर चलाए जा रहे हैं, लेकिन बेहद आश्चर्य की बात है कि इनमें से किसी भी हॉस्टल के खिलाफ निगम ने अभी तक कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया है।

विधायक हार्डिया ने उठाया था मुद्दा

इस पूरी मुहिम के पीछे की राजनीतिक और प्रशासनिक पृष्ठभूमि की बात करें तो स्थानीय विधायक महेंद्र हार्डिया द्वारा विधानसभा के पटल पर इस गंभीर मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया गया था। विधायक के इस हस्तक्षेप के बाद ही दबाव में आए नगर निगम ने इस विशेष क्षेत्र में तो आवासीय भूखंडों पर चल रही होटलों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर दी, परंतु शहर के अन्य किसी भी वॉर्ड या क्षेत्र में इस प्रकार की कोई कार्रवाई निगम की किसी भी टीम द्वारा अब तक शुरू नहीं की गई है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि जब आवासीय नियमों का उल्लंघन करके होटल के रूप में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करना पूरी तरह से गैरकानूनी है, तो फिर इस प्रकार की दंडात्मक और सुधारात्मक कार्रवाई को सिर्फ एक क्षेत्र तक सीमित न रखकर पूरे इंदौर शहर में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

निवर्सिटी के हॉस्टल में जमकर तोड़फोड़

छात्रों ने अर्धनग्न होकर डांस किया, रातभर चला हंगामा

इंदौर।

इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आईईटी विभाग के अंतर्गत आने वाले रामानुजनम बी हॉस्टल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रविवार रात फाइनल ईयर के छात्रों ने हॉस्टल परिसर के भीतर जमकर उत्पात मचाया। मिली जानकारी के अनुसार, इन छात्रों ने अर्धनग्न अवस्था में दारू बदनाम कर दी गाने पर डांस किया और हॉस्टल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। छात्रों द्वारा की गई इस तोड़फोड़ में टेबल, कुर्सी और यहां तक कि प्लास्टिक की पानी की टंकी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना से जुड़ा एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें छात्र तोड़फोड़ करते और अर्धनग्न होकर नाचते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि घटना में शामिल सभी छात्रों की पहचान की जा रही है और इन सभी पर आर्थिक दंड लगाने के साथ ही सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

हॉस्टल सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो रविवार सुबह लगभग चार बजे के बाद का बताया जा रहा है। इस वीडियो में हॉस्टल परिसर के भीतर बड़ी संख्या में छात्र एकत्रित दिखाई दे रहे हैं। ये सभी छात्र अर्धनग्न हालत में थे और तेज आवाज में बज रहे दारू बदनाम कर दी गाने पर थिरक रहे थे। वीडियो के दृश्यों में साफ देखा जा सकता है कि जहां एक तरफ हॉस्टल की पहली मंजिल पर खड़े कुछ छात्र बाल्टियों में पानी भरकर नीचे मौजूद छात्रों पर डाल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ नीचे खड़े छात्र पानी में भीगते हुए लगातार नाच रहे हैं। सुबह के वक्त हुए इस ड्रामे के कारण हॉस्टल के अन्य छात्रों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हॉस्टल परिसर में जमकर मचाया उत्पात

छात्रों का यह हंगामा सिर्फ नाच-गाने तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने हॉस्टल परिसर में जमकर तोड़फोड़ भी की। हुड़दंग मचाते हुए छात्रों ने हॉस्टल में रखी प्लास्टिक की कुर्सियां, पढ़ने की टेबल और अन्य फर्नीचर को उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। इस दौरान हॉस्टल की खिड़कियों के कांच भी तोड़ दिए गए। हद तो तब हो गई जब छात्रों ने परिसर में रखी प्लास्टिक की पानी की टंकी को भी निशाना बनाया और उसे पूरी तरह से तोड़ दिया। हॉस्टल के कमरों से लेकर कॉरिडोर तक हर जगह छात्रों द्वारा मचाई गई तबाही के निशान साफ देखे जा सकते हैं।

जांच और कार्रवाई में जुटा विश्वविद्यालय प्रशासन

इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक होने के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन तुरंत हरकत में आ गया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि हंगामा करने वाले ये सभी छात्र फाइनल ईयर के हैं। इस गंभीर मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आईईटी विभाग के निदेशक डॉ. प्रतोष बंसल ने तुरंत पूरी घटना की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के कुलगुरु को सौंप दी है। कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई ने इस विषय पर स्पष्ट रूप से कहा है कि हॉस्टल में अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वीडियो के आधार पर हुड़दंग करने वाले हर एक छात्र की पहचान की जाए। इन सभी दोषी छात्रों पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के एवज में भारी जुर्माना लगाया जाएगा और विश्वविद्यालय के नियमों के तहत कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कुमेड़ी में तैयार अंतरराज्यीय बस स्टेशन जल्द होगा शुरु

राजस्थान, दिल्ली और गुजरात के लिए चलेंगी बसें

इंदौर।

इंदौर के कुमेड़ी क्षेत्र में डेढ़ साल से बनकर तैयार अंतरराज्यीय बस स्टेशन अब शुरू होगा। इसके संचालन की जिम्मेदारी पुणे की एक कंपनी ने ली है। इंदौर विकास प्राधिकरण लंबे समय से इसे पीपीपी आधार पर देना चाहता था, लेकिन कठिन शर्तों के कारण कोई एजेंसी इसे लेने के लिए तैयार नहीं थी। बाद में शर्तों में बदलाव किए गए और अब इस बस स्टेशन से गुजरात, राजस्थान और दिल्ली जाने वाली बसों का संचालन हो सकेगा।

अब तक शहर में स्टार चौराहा, बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा, मेघदूत उपवन सहित अन्य मार्गों से बसें यात्रियों को बैठाती थीं। सिंहस्थ को देखते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण ने इसके निर्माण की योजना बनाई थी। यह स्टेशन इंदौर-उज्जैन रोड के समीप है और सिंहस्थ के दौरान इसकी उपयोगिता काफी महत्वपूर्ण रहेगी।

एक हजार से ज्यादा बसे चलेंगी- इस बस स्टेशन में दिनभर में डेढ़ हजार से ज्यादा बसों की आवाजाही होगी। इसके अलावा 500 बसों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए कैफेटेरिया, शौचालय, वेटिंग रूम, फूड ज़ोन सहित कई सुविधाएं रहेंगी।

शुरू होगा संचालन- इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी परीक्षित झाड़े ने बताया कि आईएसबीटी के संचालन और रखरखाव के लिए कुछ निविदाएं प्राप्त हुई थीं। पुणे की बी.वी.जी. इंडिया लिमिटेड की निविदा स्वीकृत की गई है। इससे आईएसबीटी के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। बोर्ड बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई।

शहर के तीन रेलवे स्टेशनों से जुड़ेगा

नया बस स्टेशन तीन रेलवे स्टेशनों और सरवटे बस स्टेशन से जुड़ेगा। यह लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन, पार्क रोड और मुख्य रेलवे स्टेशन से एमआर-4 मार्ग के जरिए जुड़ जाएगा। यह सड़क 80 प्रतिशत तैयार हो चुकी है। सिंहस्थ से पहले सड़क को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। यह सड़क कान्ह नदी के किनारे बनाई जा रही है। दस साल पहले इस स्टेशन के निर्माण की योजना प्राधिकरण ने बनाई थी, लेकिन किसान स्टेशन के लिए जमीन देने को तैयार नहीं थे।

मामला टोंकलाल के विस्फोट में घायलों का

तीन मरीजों की हालत गंभीर

देवास।

देवास जिले के टोंककला में हुए भीषण पटाखा फैक्टरी हादसे में झुलसे मरीजों का इंदौर के एमवाय अस्पताल में इलाज जारी है। यहां बर्न यूनिट में एडमिट तीन मरीजों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और उनके लिए अगले 48 घंटे काफी अहम हैं। इनमें से एक मरीज वेंटिलेटर पर है।

दरअसल, आग से झुलसे मरीजों में तीसरे दिन से संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ जाता है, इसलिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण के खतरे को देखते हुए बर्न यूनिट में बाहरी लोगों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी है। केवल जरूरी मेडिकल स्टाफ को ही प्रवेश दिया जा रहा है।

अस्पताल की बर्न यूनिट में राम (20) पिता मुकेश कुमार, निरंजन (30) पिता हीरालालराम और अजय (27) पिता नुनू पासवान एडमिट हैं। तीनों मरीज 75 से 90प्र प्रतिशत तक झुलसे हुए हैं। वहीं हादसे में घायल विशाल (25) को सिर में गंभीर चोट आने के बाद न्यूरो सर्जरी वार्ड में एडमिट किया गया है। धमाके के दौरान विशाल दूर जाकर गिर पड़ा था, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और खून का थक्का जम गया। न्यूरो सर्जन डॉ. परेश सौंधिया ने बताया कि विशाल की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

बर्न यूनिट प्रभारी डॉ. सचिन वर्मा ने बताया कि मरीजों को संक्रमण से बचाने के लिए लगातार एंटीबायोटिक दवाएं दी जा रही हैं। साथ ही उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष आहार शुरू किया गया है। फिलहाल तीनों मरीजों को नली के माध्यम से फीडिंग दी जा रही है ताकि शरीर को जरूरी ऊर्जा मिल सके।

बर्न यूनिट में संक्रमण की आशंका को देखते हुए पांच नर्सिंग कर्मचारियों की शिफ्ट वाइज 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। उधर, चोइथराम हॉस्पिटल में एडमिच चार मरीजों की हालत ठीक है।

यह है मामला

देवास जिले के टोंककलां इलाके में गुरुवार सुबह करीब 11ः30 बजे पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृत मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं। शुरुआत में धीरज, सनी और सुमित की मौत की जानकारी सामने आई थी। गुरुवार देर रात अमलतास अस्पताल में इलाजरत दो मजदूर अमर और गुड्डू ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5 हो गई। ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। फैक्ट्री की दीवारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और आसपास के मकान तक हिल गए। हादसे के बाद झुलसे मजदूर बदहवास हालत में बाहर निकलते दिखे। कुछ लोगों के कपड़े स्किन से चिपक गए थे। फैक्ट्री के बाहर बाल और जले अवशेष बिखरे पड़े मिले। 5 मजदूरों की मौत के बाद प्रशासन ने बड़ा एक्शन लेते हुए स्छ्रूसंजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा, सोनकच्छ स्छ्रह्यक्र दीपा मांडवे और टोंककला चौकी प्रभारी रमनदीप हुंडल को सस्पेंड कर दिया है। हालांकि हादसे के कई दिन बाद भी फैक्ट्री संचालन, विस्फोटक भंडारण और सुरक्षा निगरानी से जुड़े अन्य जिम्मेदार अफसरों पर अब तक स्नड्डक्रनहीं हुई है।

पटाखा ब्लास्ट के बाद प्रशासन अलर्ट

आधा दर्जन पटाखा दुकानें और गोदाम सील

देवास। जिले के टोंक कला के पास हुई पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट की घटना के बाद शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पटाखा दुकानों तथा गोदामों की जांच का अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक विभिन्न टीमों ने कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से अधिक दुकानों और गोदामों को सील कर दिया।

जांच के दौरान सुरक्षा मानकों, लाइसेंस, फायर फिटनेस और स्टॉक रजिस्टर जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों की गहन पड़ताल की गई। कई स्थानों पर नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद प्रशासन ने सीलिंग की कार्रवाई की। तहसीलदार सपना शर्मा ने बताया कि कलेक्टर के आदेश पर शहर और ग्रामीण इलाकों में जांच के लिए टीमें गठित की गई थीं। इन टीमों ने जहां भी कमियां पाईं, वहां सीलिंग की कार्रवाई की गई।नायब तहसीलदार पूजा भाटी ने शहर में तीन दुकानों का निरीक्षण किया। इनमें से एक दुकान आबादी वाले क्षेत्र में संचालित हो रही थी, जिसे तत्काल सील कर दिया गया। बताया गया कि दुकान के सामने बिजली का डीपी लगा हुआ था, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ था। पूजा भाटी की टीम ने दो अन्य दुकानों की भी जांच की, जहां कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। इन दुकानों के लाइसेंस नवीनीकृत पाए गए। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र के गढ़खेड़ी इलाके में भी कार्रवाई की गई। उधर, नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर ने शिप्रा क्षेत्र में चारभुजा पटाखा दुकान पर कार्रवाई की। जांच के दौरान दुकान में स्टॉक रजिस्टर, इलेक्ट्रिक फिटनेस, फायर फिटनेस और बिल्डिंग फिटनेस से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिले। साथ ही कुछ बिना लेबल वाले पटाखे भी बरामद हुए, जिसके बाद दुकान को सील कर दिया गया।

एक अन्य दुकान की जांच में यह भी सामने आया कि उसके पास पटाखा दुकान और गोदाम दोनों का लाइसेंस था, लेकिन दुकान के भीतर भारी मात्रा में भूसा भरा हुआ पाया गया। इस गंभीर अनियमितता को देखते हुए टीम ने लाइसेंस निरस्त करने के लिए प्रतिवेदन भेजा है।

दस दिन भ्रमण करेंगे कृषि रथ, अतिथियों ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

रतलाम। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा हैं। किसानों तक कृषि एवं संबंधित विभाग पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, एवं कृषि वैज्ञानिको के माध्यम से नई तकनीकी जानकारी और शासकीय योजनाओं को सीधे पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में 16 मई से 10 दिवस तक कृषि रथ गांव-गांव भ्रमण कर किसानों को जानकारी देगे। कलेक्टर मिशा सिंह के मार्गदर्शन में विधायक रतलाम ग्रामीण मथुरालाल डामर एवं जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ आज 16 मई को कलेक्टर कार्यालय परिसर रतलाम से विकासखण्ड रतलाम के कृषि रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। राज्य शासन के निर्देशानुसार कृषि रथ द्वारा रतलाम जिले के प्रत्येक विकासखंड मे प्रतिदिन 3 से 4 ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर खरीफ फसलों की बुवाई से पहले किसानों को उपयोगी जानकारी दी जाएगी।

ललिता जैन अध्यक्ष मनोनीत

अंतर्राष्ट्रीय जैन प्रबुद्ध मंच का शपथ समारोह संपन्न

देवास। अंतर्राष्ट्रीय जैन प्रबुद्ध मंच जिला देवास शाखा का गठन हुआ। जिसमें जिला अध्यक्ष ललिता जैन मैनाश्री एवं नगर अध्यक्ष रागिनी चौधरी मनोनीत किए गए। कार्यकारी पदाधिकारी में जिला सचिव कल्पना जैन भाग्यश्री , कोषाध्यक्ष अनीता संघवी, नगर सचिव मेघना जैन, कोषाध्यक्ष नीतू छाबड़ा, उपाध्यक्ष मनीषा बापना ,संघ पंच अंगूर बाला सेठिया, प्रचारक रेखा बागरेचा, कार्यक्रम प्रमुख सारिका जैन ,सह सचिव सोनल जैन, संरक्षक पुर्णिमा जैन, मार्गदर्शक रितिका जैन एवं संगठन सचिव सिद्धी औरा मनोनीत किए गए। इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। जिसमें समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया । समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में चित्रा जैन राष्ट्रीय संगठन सचिव, डेविड जैन राष्ट्रीय प्रचारक, शैलेष जैन नेशनल को-आर्डिनेटर, विजयपाल जैन टोंग्या प्रांत अध्यक्ष, विकेश जैन मेहता प्रांत सचिव प्रगति जैन प्रांतीय अध्यक्ष महिला संघ, अर्चना जैन कर्णावत राज्य सचिव, उपलब्धि जैन संगठन सचिव उपस्थित थे। प्रभु महावीर के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों का पौधे भेंट कर सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष ललिता जैन ने अतिथि परिचय दिया। नगर अध्यक्ष रागिनी चौधरी ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन कल्पना जैन भाग्यश्री एवं सोनल जैन ने किया।

सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिलपांक का निरीक्षण किया

रतलाम। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिलपाक का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। केंद्र पर भर्ती प्रसूता माताओ से उनकी गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल एवं जांच, प्रसव संबंधित केस शीट, अनमोल पोर्टल में प्रसव पश्चात प्रविष्टि, केंद्र पर आयरन सुक्रोज इंजेक्शन की स्थिति, गर्भवती माताओ के एम सी पी कार्ड, टीकाकरण की स्थिति कोल्ड स्टोरेज की स्थिति एवं रिकॉर्ड के अपडेशन की विस्तार से जानकारी ली।

तीन मजदूरों की मिनी ट्रक पलटने से मौत

यू-टर्न पर अनियंत्रित ट्रक पलटा, दो घायल

देवास। जिले के पीपलरावा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक सड? हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। चौबाराधारा के पास बेरखेड़ी फाटे के पास प्याज से भरा एक मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सोनकच्छ के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा यू-टर्न पर हुआ, जहां वाहन असंतुलित होकर पलट गया। मिनी ट्रक में मजदूर प्याज की बोरियों के साथ पीछे बैठे थे। ट्रक पलटते ही वे बोरियों के नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पीपलरावा पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य शुरू किया गया। पुलिस ने घायलों को बाहर निकालकर तत्काल सोनकच्छ के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। तीन मजदूरों को भी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सोनकच्छ के शासकीय अस्पताल में रखवाया गया है। पुलिस ने रात भर रेस्क्यू अभियान चलाकर ट्रक के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नालसा आशा योजना 2025 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

आगर मालवा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा संचालित नालसा आशा योजना 2025 के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगर-मालवा एवं अहिंसा वेलफेयर सोसायटी, आगर-मालवा के संयुक्त तत्वावधान में 15 मई को जिला न्यायालय परिसर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगर-मालवा डी.एस. चौहान, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीतिराज सिंह सिसौदिया तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अश्विनी सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश डी.एस. चौहान ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह की रोकथाम हेतु सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए।

विकसित भारत 2047 के संदर्भ में हिन्दी भाषा विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

आगर मालवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आगर-मालवा के हिन्दी विभाग द्वारा सत्र 2025-26 के एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु सत्रांत विदाई समारोह सह प्रोजेक्ट मौखिकी का आयोजन महाविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम में बाह्य परीक्षक के रूप में शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन के हिन्दी प्राध्यापक प्रोफेसर मृदुल चंद्र शुक्ला उपस्थित रहे। उन्होंने विकसित भारत 2047 के संदर्भ में हिन्दी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर विशेष व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन प्रदान किया।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर डेंगू उन्मूलन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

रतलाम। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर आज जिला मुख्यालय पर मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार डेंगू नियंत्रण और रोकथाम के लिए एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. देवेन्द्र मौर्य, जिला सलाहकार प्रमोद प्रजापति और जिला कम्युनिटी मोबिलाइज कमलेश मुवेल की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व शहर में मच्छरों के पनपने पर रोक लगाना और अंतर-विभागीय समन्वय से मैदानी स्तर पर महाभियान चलाना है। कार्यशाला में शहरी वार्डों की समस्त आशा कार्यकर्ता, मलेरिया विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी और नगर निगम के स्वच्छता निरीक्षक मुख्य रूप से शामिल हुए।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. देवेन्द्र मौर्य ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि डेंगू से बचाव ही इसका सबसे बड़ा उपचार है। उन्होंने नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अमले को निर्देशित किया कि संयुक्त रूप से जलजमाव वाले हॉटस्पॉट की पहचान करें और सघन फॉगिंग व लार्वा सर्वे अभियान चलाएं।

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अभिनव पहल

आगर मालवा। कलेक्टर प्रीति यादव के मार्गदर्शन में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अभिनव पहल की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को कृषि उपज मंडी आगर से चार कृषि रथों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न विकासखण्डों के लिए रवाना किया गया। यह कृषि रथ प्रत्येक विकासखण्ड में 10 दिवस तक भ्रमण कर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री बी.एस. सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर श्री सर्वेश यादव, भारतीय किसान संघ के जिला महामंत्री राघुसिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.पी.एस. शक्तावत तथा उप संचालक कृषि विजय चौरसिया उपस्थित रहे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार का किया स्वागत

देवास। मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व राज्य मंत्री प्रदीप अहिरवार के भोपाल से इंदौर जाते समय देवास में अल्प प्रवास के दौरान न्यू देवास गेट पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

पूर्व मध्य प्रदेश संयोजक कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग संजय रेकवाल एवं जिला कांग्रेस कमेटी देवास के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत के बाद संगठन की मजबूती तथा अनुसूचित जाति समाज के हितों को लेकर सार्थक चर्चा भी हुई।

इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष प्रतीक शास्त्री, जयप्रकाश मालवीय, आयन शाहा, डॉ. मुन्ना सरकार, कमल चौहान, फैजान पठान, शाहिद अली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व म.प्र. संयोजक संजय रेकवाल ने कहा कि, भैय्या प्रदीप अहिरवार जी का देवास आगमन हमारे लिए गौरव का विषय है। उनका मार्गदर्शन अनुसूचित जाति समाज और कांग्रेस संगठन को नई मजबूती प्रदान करेगा।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन सुचारू रूप से जारी

- **31 केंद्रों पर 4.80 लाख क्विंटल गेहूं की खरीदी**
- **86 प्रतिशत से अधिक किसानों को भुगतान पूर्ण**

नीमच। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में संचालित 31 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 9,162 किसानों से 4,80,511.1 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। उपार्जन एवं परिवहन की स्थितिन्जिला आपूर्ति अधिकारी आर एन दिवाकर ने बताया कि जिले मेंकुल उपार्जित मात्रा 4,80,511.1 क्विंटल में से 4,76,970.3 क्विंटल मात्रा परिवहन के लिए तैयार हो चुकी है। कुल 4,56,691.8 क्विंटल गेहूं का परिवहन पूर्ण किया जा चुका। जो कुल उपार्जन का 96 प्रतिशत है। जिले में 12 उपार्जन केंद्रों पर 100 प्रतिशत परिवहन का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिनमें समिति नेवड़, ध्रुव वेयरहाउस, संस्था चल्दू, वेदांता वेयरहाउस एवं समिति कंजार्डा, माहेश्वरी वेयरहाउस प्रमुख हैं। भुगतान के लिए 97 प्रतिशत प्रकरणों में स्वीकृति पत्रक जारी किए जा चुके हैं।

किसानों को भुगतान की स्थिति- उपार्जित गेहूं के एवज में किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 1,24,21,21,183 एवं स्टेट बोनस के रूप में ?1,92,20,443.84, कुल 1,26,13,39,273 की राशि देय है। इसके विरुद्ध अब तक 1,02,15,72,456 की राशि का भुगतान किसानों के बैंक खातों में किया जा चुका है।

आज ग्राम दलपतपुरा में आयोजित होगी रात्रि चौपाल

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने एवं ग्रामीण समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आज 18 मई 2026 को शाम 5 बजे से ग्राम दलपतपुरा, तहसील जीरन के मिडिल स्कूल प्रांगण में सरात्रिट्ठचौपाल का आयोजन किया जा रहा है। यह जिले की तीसरी रात्रि चौपाल होगी। इसके पहले कोज्या, एवं ग्राम टामोटी में रात्रि चौपाल सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा रात्रि चौपाल में ग्रामीण जनों से सीधी चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करेंगे। इसके लिए संबंधित विभागों को निम्नानुसार दायित्व सौंपे गए हैं- प्रमुख व्यवस्थाएं- आधार कैंप- जिला परियोजना समन्वयक, शिक्षा केंद्र द्वारा प्रातः 10 बजे से रात्रि चौपाल समाप्ति तक मिडिल स्कूल दलपतपुरा में 2 मशीनों के साथ आधार कैंप आयोजित किया जाएगा।

चांदी आयात प्रतिबंध पर जेडीडब्लूयुए ने जताई चिंता

छोटे सराफा व्यापारियों के हितों की सुरक्षा की मांग

देवास। ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन (जेडीडब्लूयुए) ने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत महानिदेशालय विदेशी व्यापार (डीजीएफटी) द्वारा जारी नोटिफिकेशन के तहत चांदी (सिल्वर बार्स) के आयात को फ्री श्रेणी से रस्ट्रिक्टड श्रेणी में किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

संगठन अध्यक्ष संजय जैन एवं सचिव संतोष सराफ ने कहा कि विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं आयात संतुलन बनाए रखना सरकार का अधिकार है, किंतु ऐसी नीतियों का प्रतिकूल प्रभाव छोटे एवं पारंपरिक सराफा व्यापारियों, कारीगरों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर नहीं पडना चाहिए। जेडीडब्लूयुए के अनुसार भारत में चांदी केवल व्यापारिक वस्तु नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं आदिवासी समाज की सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। विशेष रूप से मध्य भारत, आदिवासी क्षेत्रों एवं ग्रामीण बाजारों में चांदी आभूषणों का व्यापक उपयोग होता है। संगठन का कहना है कि यदि आयात प्रतिबंधों के कारण चांदी की उपलब्धता प्रभावित होती है या कीमतों में असामान्य वृद्धि होती है, तो इसका सीधा असर छोटे ज्वेलर्स, हस्तशिल्प कारीगरों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। संगठन ने आशंका जताई कि यदि आयात व्यवस्था केवल बड़े आयातकों एवं कॉर्पोरेट ट्रेडिंग संस्थानों तक सीमित हो गई, तो बाजार में असंतुलन और एकाधिकार जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे छोटे सराफा व्यापारियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर होगी। जेडीडब्लूयुए ने केंद्र सरकार से मांग की है कि छोटे एवं एमएसएमई श्रेणी के सराफा व्यापारियों के लिए अलग सिल्वर इम्पोर्ट कोटा निर्धारित किया जाए तथा छोटे ज्वेलर्स हेतु सरल एवं पारदर्शी अनुमति प्रक्रिया लागू की जाए।

साथ ही ग्रामीण, पारंपरिक एवं आदिवासी चांदी आभूषण उद्योग को विशेष संरक्षण देने, बाजार में कॉर्पोरेट मोनोपॉली रोकने के लिए संतुलित आयात वितरण व्यवस्था बनाने तथा नोटिफिकेशन में उल्लेखित पालिसी कंडीशन नं. 7 को सार्वजनिक एवं स्पष्ट करने की मांग भी की गई है। संगठन ने कहा कि वर्तमान में छोटे सराफा व्यापारी पहले से ही जीएसटी अनुपालन, हॉलमार्किंग , बढ़ती लागत, बैंकिंग प्रतिबंधों एवं बाजार मंदी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

पटाखों के अवैध भंडारण के संबंध में छापामार कार्यवाही

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना के मार्गदर्शन में शाजापुर में पटाखों के अवैध भंडारण के संबंध में छापामार कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) शाजापुर अजय मिश्र, तहसीलदार गौरव पोरवाल तथा थाना प्रभारी कोतवाली संतोष वाघेला की विशेष भूमिका रही।

मृत श्रमिकों को दी श्रद्धांजलि प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

देवास। देवास। औद्योगिक क्षेत्र टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में मृत श्रमिकों की आत्मा की शांति के लिए श्रमिक समस्या समाधान केंद्र पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में श्रमिक संगठनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिवंगत श्रमिकों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के जिला अध्यक्ष महेश राजपूत, वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूलाल नागर तथा इंजीनियरिंग मजदूर सेवा संघ के जिला अध्यक्ष राम गुर्जर ने संयुक्त रूप से कहा कि देवास जिले के औद्योगिक क्षेत्र टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री हादसे ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री संचालन एवं सुरक्षा संबंधी मामलों में पुलिस, राजस्व विभाग, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग देवास, एमपीईबी, प्रदूषण नियंत्रण विभाग तथा लोक निर्माण विभाग सहित कुल 6 विभागों को प्रतिलिपि भेजी गई थी। इसके बावजूद श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। श्रमिक नेताओं के अनुसार मजदूरों की सुरक्षा एवं सुरक्षा उपकरणों से संबंधित एनओसी औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग की उप संचालक अमृता टैगोर द्वारा जारी की गई थी। इतना ही नहीं, घटना से दो दिन पूर्व 12 मई 2026 को विभागीय अधिकारियों द्वारा टोंककला फैक्ट्री का निरीक्षण भी किया गया था, लेकिन निरीक्षण के बावजूद सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित नहीं किया गया।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी शेयर बाजार की दिशा

विदेशी बिकवाली, कमजोर रुपया और बढ़ती महंगाई से निवेशक चिंतित

मुंबई (ईएमएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। उनके अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई

और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अधिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है। इस बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 109 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, इस सप्ताह चीन, अमेरिका और भारत से आने वाले आर्थिक आंकड़े तथा फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी बाजार की दिशा तय करने में अहम होगा। इसके साथ ही, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल), गेल और एनटीपीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जहां बीएसई सेंसेक्स 2.7 प्रतिशत (2,090.20 अंक) और एनएसई निफ्टी 2.2 प्रतिशत (532.65 अंक) गिर गया था। यह गिरावट मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं का सीधा प्रतिबिंब थी, जिसके इस सप्ताह भी जारी रहने की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

टाटा संस की लिस्टिंग पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूह, टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का चौतरफा दबाव बढ़ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियम, पूंजी जुटाने की आवश्यकता और प्रमुख शेयरधारकों की मांग के चलते यह कंपनी अब तक के सबसे बड़े कॉरपोरेट बदलाव के मुहाने पर खड़ी है। आरबीआई के नए नियमों के अनुसार, कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) के रूप में टाटा संस (संपत्ति 1.75 लाख करोड़ रुपए) को मार्च 2025 तक सूचीबद्ध होना पड़ सकता है। इसी बीच, टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स के भीतर से भी लिस्टिंग की मांग उठ रही है। वरिष्ठ ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह का मानना है कि इससे सेमीकंडक्टर और नई तकनीकों जैसे विस्तार वाले क्षेत्रों के लिए पूंजी जुटाना आसान होगा। वहीं, 18.4 फीसदी हिस्सेदारी वाले शापूरजी पलोनजी समूह भी अपनी हिस्सेदारी बेचकर कर्ज कम करने के लिए लिस्टिंग का लंबे समय से समर्थन कर रहा है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट्स के प्रमुख नोएल टाटा लिस्टिंग के पक्ष में नहीं हैं और आरबीआई से वैकल्पिक रास्ते तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रस्ट के भीतर गवर्नेंस को लेकर मतभेद इतने बढ़ गए कि महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर को एक अहम बोर्ड बैठक पर रोक लगानी पड़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अधिकांश ट्रस्टी लिस्टिंग के पक्ष में मतदान करते हैं, तो टाटा संस को अपनी इच्छा के खिलाफ भी सार्वजनिक होना पड़ सकता है, जो टाटा ग्रुप के इतिहास का सबसे बड़ा कॉरपोरेट बदलाव साबित होगा।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है। कंपनी अब नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले रुककर सुधार की रणनीति अपना रही है। अंबुजा सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 7,500 करोड़ रुपये से कम है। करण अदाणी ने स्पष्ट किया कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया। उन्होंने कहा कि सही ठेकेदारों के चयन में विफलताओं, एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद एक तैयार निष्पादन टीम का अभाव, और इंजीनियरिंग योजनाएं पूरी होने से पहले ही परियोजनाओं को शुरू करना इन देरी के मुख्य कारण रहे।

पश्चिमी एशिया में तनाव

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों ने गंवाए 3.12 लाख करोड़

नईदिल्ली (ईएमएस)।

बीते सप्ताह पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और रुपये की कमजोरी जैसे वैश्विक और घरेलू कारकों के मेल ने भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल पैदा किया। इसके चलते देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.12 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया। बाजार को लगे जोरदार झटके समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। इस बिकवाली के कारण, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,090.2 अंक यानी 2.7 प्रतिशत टूट गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 532.65 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,34,445.77 करोड़ रुपये घटकर 18,08,420.81 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 52,245.3 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को 47,415.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। भारती एयरटेल की जोरदार उड़ान इस नकारात्मक माहौल के बीच, दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक अपवाद के रूप में दमदार प्रदर्शन किया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण समीक्षाधीन सप्ताह में 42,470.13 करोड़ रुपये बढ़कर 11,60,525.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत रहा और बाजार में उसके मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

भारत में बनेगा पहला ए आई केंद्रित डेटा सेंटर

कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर कमाए, वित्तीय नतीजों में भी दिखी तेजी

मुंबई (ईएमएस)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब दुनिया भर की कंपनियों के कामकाज का मुख्य आधार और बुनियादी ढांचा बन चुका है। अपनी 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में उन्होंने बताया कि ट्ठ अब केवल एक तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह निवेश से लेकर आपूर्ति श्रृंखला, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सेवा तक, हर पहलू को पूरी तरह से बदल देगा। टीसीएस ने अपने ह्यूमन प्लस आई ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए एआई सेवाओं से सालाना 2.3 अरब डॉलर की कमाई की है। कंपनी अब भारत में पहला उच्च-घनत्व वाला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में है, जबकि उसके वित्तीय नतीजे भी शानदार रहे हैं। चंद्रशेखरन के अनुसार, कंपनियां अब एआई का केवल प्रयोग नहीं कर रही हैं, बल्कि इसे सीधे अपने मुख्य और सबसे जरूरी कामकाज में शामिल कर रही हैं। एआई के अलावा, क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा जैसी नई तकनीक वाली सेवाओं से टीसीएस ने 11.5 अरब डॉलर का राजस्व हासिल किया है। भविष्य की रणनीति के तहत टीसीएस एक सुरक्षित और विश्वसनीय एआई ढांचा तैयार करने पर जोर दे रही है। कंपनी एक ऐसा एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित करना चाहती है, जिसे विभिन्न उद्योगों की जरूरतों के अनुसार इस्तेमाल किया जा सके। इसके साथ ही टीसीएस भारत का पहला एआई-फोकस्ड डेटा सेंटर स्थापित करेगी, जिसकी रैक डेंसिटी 160 किलोवाट से अधिक होगी। वित्तीय मोर्चे पर, मार्च तिमाही में टीसीएस का शुद्ध लाभ 12.22 फीसदी बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 1.35 फीसदी की बढ़त के साथ 49,210 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कर्मचारियों की संख्या में आ रही गिरावट भी थम गई है; मार्च तिमाही में 2,356 नए कर्मचारी जोड़े गए, जिससे कुल संख्या 5,84,519 हो गई। कंपनी ने इस तिमाही में 12 अरब डॉलर के नए सौदे भी हासिल किए, जिसमें उत्तरी अमेरिका और बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं व बीमा क्षेत्र की प्रमुख हिस्सेदारी रही।

साल में पहली बार वोडा-आइडिया को 51,970 करोड़ का मुनाफा

मुंबई (ईएमएस)। संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 51,970 करोड़ रुपए का चौंकाने वाला मुनाफा दर्ज किया है। लगभग छह साल में यह कंपनी का पहला मुनाफा है, जिसके पीछे मुख्य कारण समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) देनदारी में मिली भारी राहत है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 7,167 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था, जिससे यह टर्नअराउंड और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मुनाफे की मुख्य वजह दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा दी गई एजीआर (एडजस्ट ग्रॉस रेवेन्यू) देनदारियों में बड़ी राहत है। कंपनी के अनुसार डीओटी ने पहले 31 दिसंबर, 2025 तक बकाया एजीआर को 87,695 करोड़ रुपए बताया था। हालांकि, बाद में एक पुनर्मूल्यांकन समिति ने 2006-07 से 2018-19 की अवधि के लिए इस बकाया को घटाकर 64,046 करोड़ रुपए कर दिया। इस प्रक्रिया के चलते कंपनी की वित्तीय देनदारी से 80,502 करोड़ रुपए हटा दिए गए, जिससे संशोधित देनदारी 24,880 करोड़ रुपए रह गई।

प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री घटी, मांग में नरमी का असर

2026 की पहली तिमाही में 96 हजार इकाइयां बिकीं, सस्ती आपूर्ति का अभाव भी कारण

नईदिल्ली (ईएमएस)।

भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान मकानों की बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर लगभग 96 हजार इकाई रह गई है। मांग में नरमी और सस्ते घरों की नई आपूर्ति कम रहने से बिक्री प्रभावित हुई है। यह जानकारी एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई

महानगर क्षेत्र और पुणे जैसे आठ शहरों में कुल 95,973 आवासीय संपत्तियां बिकीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 98,095 इकाई था। इस दौरान मकानों की नई आपूर्ति भी 93,065 इकाई पर लगभग स्थिर रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय आवास बाजार अब वास्तविक मांग, नियंत्रित भंडार और खरीदारों के भरोसे पर आधारित एक संतुलित दौर में है। शहरों के प्रदर्शन की बात करें तो बेंगलुरु ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जहां बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 15,603 इकाई हो गई। चेन्नई में भी बिक्री बढ़कर 6,841 इकाई और हैदराबाद में 25 प्रतिशत बढ़कर 13,297 इकाई रही। दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री में 11 प्रतिशत का उछाल देखा गया। हालांकि, मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 26,116 इकाई, पुणे में 21 प्रतिशत घटकर 13,565 इकाई और कोलकाता में 24 प्रतिशत घटकर 2,883 इकाई रह गई।

ईरान का साथ देने वाले को होर्मुज में नए सिस्टम का फायदा : अजीजी

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने कहा है कि उनका देश जल्द ही होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नया सिस्टम शुरू करेगा। उन्होंने कहा है कि यह व्यवस्था ईरान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। मीडिया रिपोर्ट में अजीजी के मुताबिक इस नए सिस्टम में सिर्फ वही कारोबारी जहाज और देश फायदा उठा सकेंगे जो ईरान के साथ सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस व्यवस्था के तहत दी जाने वाली खास सेवाओं के लिए टैक्स लिया जाएगा। वहीं ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने कुवैत और यूएई को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान ने अब तक संयम बरता है, लेकिन यह हमेशा नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि इन देशों ने अपने इलाके को ईरान के दुश्मनों के इस्तेमाल के लिए खुला छोड़ दिया है।

यौन उत्पीड़न के मामले में भगीरथ गिरफ्तार

हैदराबाद,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया।

जज साहब और वकीलों के बीच गाली गलौज

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में वरिष्ठ एडीजी रैंक के न्यायिक अधिकारी और जिला बार के एक वकील के बीच तीखी बहस का वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें जज साहब के ऊपर आरोप लगाए गए हैं कि वह अपने केबिन में बैठकर ड्रिंक करते हैं, अदालत का काम नहीं करते हैं। वहीं दूसरी तरफ जज साहब यह कहते हुए दिख रहे हैं की जबरदस्ती दबाव बनाकर गलत काम कोर्ट से कराना चाहते हैं। वह किसी दबाव में नहीं आएंगे। वायरल वीडियो में जो जज साहब की और वकीलों की भाषा है, उसको सुनने के बाद यही कहा जा रहा है की सब्जी बाजार के कुंजड़े भी लड़ाई में जिस भाषा का उपयोग नहीं करते हैं वह कोर्ट में होती हुई दिख रही है।

घटना के बाद कोर्ट का माहौल तनावपूर्ण हो गया

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अदालत कक्ष के भीतर दोनों पक्षों के बीच गहमागहमी और तीखी नोकझोंक साफ दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है, एक मामले में तत्काल आदेश जारी कराने का दबाव वकील साहब बना रहे थे। जिसके कारण यह विवाद शुरू हुआ। इस घटना के बाद रोहिणी कोर्ट परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया। वायरल वीडियो में न्यायिक अधिकारी कथित तौर पर यह कहते सुनाई दे रहे हैं। 'हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाकर मेरे खिलाफ कार्रवाई करवा दो, वहां तुम्हारे बड़े-बड़े आका बैठे हुए हैं।' वहीं, संबंधित वकील न्यायाधीश को गाली बकने के लिए उकसा रहे हैं।

ट्रंप ने फिर धमकाया, कहा- ईरान के लिए बुरा वक्त आएगा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बेहद सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो तेहरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है।

एक टेलीफोनिक इंटरव्यू में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान को इस समझौते में गंभीरता से दिलचस्पी दिखानी चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से पर्दे के पीछे बातचीत का दौर चल रहा है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस संबंध में बताया कि उन्हें ट्रंप प्रशासन की ओर से बातचीत जारी रखने की इच्छा के संदेश तो मिले हैं।

ट्यूनीशिया में बढ़ते आर्थिक संकट से परेशान लोग राष्ट्रपति केयास सइद के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। -फोटो-ईएमएस

पटना में अभियंता निकला करोड़पति, 40 लाख कैश, फ्लैट, प्लॉट, ज्वेलरी बरामद

पटना,(ईएमएस)। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने जमुई जिले के झाझा में पदस्थापित ग्रामीण कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार के खिलाफ आय से ज्यादा संपत्ति मामले में बड़ी कार्रवाई की है। देर शाम तक पटना, दानापुर और जमुई समेत पांच ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी रहा। शुरुआती जांच में गोपाल कुमार द्वारा ज्ञात आय से करीब 81.5 फीसदी ज्यादा संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य मिले हैं।

जांच एजेंसी के मुताबिक गोपाल कुमार अक्टूबर 2008 में बिहार सरकार की सेवा में आए थे। अपने सेवा काल में वे ग्रामीण कार्य विभाग पटना के अलावा मधेपुरा, मोतिहारी, भोजपुर, आरा, बक्सर और सारण जिलों में पदस्थापित थे। वर्ष 2022 में उन्हें कार्यपालक अभियंता के पद पर प्रोन्नति मिली थी। ईओयू को जांच में गोपाल कुमार के पास से करीब 2.61 करोड़ रुपए ज्यादा की संपत्ति होने के साक्ष्य मिले हैं, जो उनकी वैध आय से करीब 81.5 फीसदी ज्यादा बताई जा रही है।

पटना के मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित ज्योतिपुरम में जगत विला अपार्टमेंट स्थित आवास से 39.65 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। इसके अलावा करीब 47 लाख रुपए के आभूषण खरीद से जुड़े इन्वॉयस मिले हैं। ईओयू की तलाशी में 424.08 ग्राम सोने के आभूषण, करीब एक किलो चांदी के आभूषण भी बरामद हुए हैं।

नई संधि तय करेगी भविष्य में भारत से रिश्ते कैसे होंगे....

गंगा जल संधि के भविष्य को लेकर बांग्लादेश में बढ़ी बेचैनी

ढाका(ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच वर्ष 1996 में हुई ऐतिहासिक 30 वर्षीय गंगा जल बंटवारा संधि इस वर्ष दिसंबर में समाप्त होने वाली है। संधि की अवधि पूरी होने से पहले बांग्लादेश की वर्तमान बीएनपी सरकार में इसे लेकर भारी बेचैनी देखी जा रही है। बांग्लादेश की ओर से इस मुद्दे पर भारत को लेकर कड़े बयान सामने आ रहे हैं।

मंत्री आलमगीर ने दी चेतावनी

बीएनपी के महासचिव और स्थानीय सरकार में सहकारिता मंत्री मिर्जा फकरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत के साथ बांग्लादेश के भविष्य के संबंध इसी बात पर निर्भर

करेंगे कि दोनों देशों के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर नई संधि किस तरह और किन शर्तों पर होती है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि यह जल संधि उनके देश के करोड़ों लोगों की जीविका और पानी की जरूरतों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है, इसलिए भारत सरकार को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप तुरंत ही नई संधि लागू करनी चाहिए। उनका तर्क है कि पुरानी संधि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में हुई थी, जो अब सत्ता में नहीं हैं। ऐसे में नई संधि को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। बांग्लादेशी नेताओं ने यह सुझाव भी दिया है कि इस बार नई संधि को किसी निश्चित समयावधि के बजाय अनिश्चितकाल के लिए लागू किया जाना चाहिए।

इस बीच, बांग्लादेश पद्मा नदी पर एक नई बैराज परियोजना भी तैयार कर रहा है, जिसका निर्माण 2033 तक पूरा होने की संभावना है।

गंगा जल बंटवारे का विवाद दशकों पुराना

वहां के जल संसाधन मंत्रालय का मानना है कि यह बांग्लादेश के अपने हित का मामला है और इसमें भारत के साथ चर्चा करना आवश्यक नहीं है। हालांकि, जल विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस प्रस्तावित बैराज के कारण नदी का तल ऊंचा हो सकता है, जिससे वहां गाद जमा होने और बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ने का खतरा है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे का विवाद दशकों पुराना है। बांग्लादेश का आरोप रहा है कि भारत फरक्का बैराज के जरिए उसके हिस्से का पानी रोकता है, भारत का रुख हमेशा से यह रहा है कि फरक्का बैराज का उद्देश्य केवल कोलकाता बंदरगाह को सुचारू रूप से संचालित रखना है।

बॉलीवुड EXPRESS

केवल लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती उर्वशी रौतेला

अपने करियर और अभिनय को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने नया नजरिया अपनाने की बात कही है। उर्वशी रौतेला ने बताया कि उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखना या लोगों से तारीफ पाना मायने नहीं रखता, बल्कि वह ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं जिनमें गहराई, भावनाएं और कोई सार्थक संदेश हो। एक्ट्रेस का कहना है कि समय के साथ उन्होंने समझा है कि कलाकार की असली पहचान उसके काम की सच्चाई और दर्शकों से उसके भावनात्मक जुड़ाव से बनती है। उर्वशी ने कहा कि करियर की शुरुआत में हर कलाकार चाहता है कि उसे पहचान मिले और लोग उसे नोटिस करें, लेकिन केवल लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती। उनके मुताबिक अगर किसी कहानी या किरदार में सच्चाई और भावना नहीं होगी तो वह लंबे समय तक लोगों के दिलों में जगह नहीं बना पाएगा। अभिनेत्री ने कहा कि अब वह सिर्फ दिखावे या ग्लैमर के लिए काम नहीं करना चाहतीं, बल्कि ऐसी फिल्मों और कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में जागरूकता पैदा करें। गौरतलब है कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2013 में आई फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। अब वह अपनी आगामी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उर्वशी पूनम मिश्रा नाम का किरदार निभा रही हैं।

मां ने कभी भी पेशेवर फैसलों में दखल नहीं दिया: पलक तिवारी

मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने हाल ही में अपनी मां और टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ अपने रिश्ते और करियर को लेकर खुलकर बातचीत की। पलक तिवारी इन दिनों अपनी वेब सीरीज लुक्खे को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। पलक ने बताया कि उनकी मां ने कभी भी उनके पेशेवर फैसलों में दखल नहीं दिया और हमेशा उन्हें अपनी सोच के अनुसार आगे बढ़ने की पूरी आजादी दी। पलक तिवारी ने कहा कि उनकी और उनकी मां की जिंदगी के अनुभव काफी अलग रहे हैं, इसलिए दोनों का नजरिया भी अलग है।

22 मई को रिलीज होगी 'चांद मेरा दिल'

अभिनेत्री अनन्या पांडे और अभिनेता लक्ष्य स्टारर रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'चांद मेरा दिल' का आधिकारिक ट्रेलर हाल ही में रिलीज कर दिया गया। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स पर भी काम किया है। ट्रेलर की शुरुआत एक तनावपूर्ण दृश्य से होती है, जिसमें आरव और चांदनी के रिश्ते में दरार की झलक दिखाई देती है। आरव अपने व्यवहार के लिए माफी मांगते नजर आते हैं, जिसके बाद कहानी दोनों के खूबसूरत रोमांस की ओर बढ़ती है। ट्रेलर में चांदनी अपने रिश्ते को किसी फेयरीटेल प्रेम कहानी जैसा बताती है। हालांकि, आरव की एक गलती दोनों के रिश्ते के बीच बड़ी बाधा बन जाती है। खास बात यह है कि ट्रेलर में कहानी का पूरा खुलासा नहीं किया गया, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।फिल्म में मनीष चौधरी, इरावती हर्षे और आस्था सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने फिल्म का संगीत तैयार किया है, जबकि गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फिल्म के अब तक तीन गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमन मिश्रा और मेरिज्क डी'सौजा ने मिलकर किया है।

खेल समीक्षा EXPRESS

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी: द्रविड़

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (इंटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे। द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। क्रुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था। अब तक उन्होंने 5 एकदिवसीय और 19 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 5 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 65 के प्रभावशाली औसत और 101.56 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 58 रन हैथा। वहीं घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 98 मैचों में 3001 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 38.47 और स्ट्राइक रेट 88.03 रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाये हैं। एक ऑलराउंडर के रूप में, उन्होंने 118 विकेट भी लिए हैं। इन आंकड़ों और आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, क्रुणाल चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं। वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये। इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा : माइकल हसी

लखनऊ (ईएमएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी ?

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा। लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व के साथ टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

इस सत्र में सीएसके अपने खिलाड़ियों की चोटों से बुरी तरह प्रभावित रही है। उसके आधे दर्जन से ज़्यादा खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। धोनी भी इसी सूची में शामिल थे पर अब लग रहा है कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। अंतिम दो मैचों में धोनी के खेलने से टीम का मनोबल बढ़ने की भी संभावना है।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली (ईएमएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं।

शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला।

लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया।

(फोटो-ईएमएस) लास एंजिल्स में महिलाओं के फीदरवेट मुकाबले में नीले ग्लोव्स मे भाग लेती हुई रोंडी लूसी और लाल ग्लोव्स में उतरी गिना करानो।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था।

ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है। गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर नहीं था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया।

गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे। गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा।

भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में ÷दादा युग÷ की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे।

भीड़ में बिछड़े दो मासूम, पुलिस ने चंद घंटों में तलाशा और परिजनों से मिलाया

उज्जैन। शहर में शनिवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच दो मासूम बच्चे अपने परिवारों से बिछड़ गए। मुस्तैद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जिला पुलिस की कार्रवाई ने दोनों बच्चों को सकुशल ढूंढ निकाला। बच्चों को सही-सलामत वापस पाकर परिजनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े।

शनिवार दोपहर को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर उस समय हड़कंप मच गया, जब परिजनों के साथ ट्रेन का इंतजार कर रहा एक सात साल का बालक अचानक लापता हो गया। आरपीएफ के मुताबिक जबलपुर के कटंगी थाना क्षेत्र (ग्राम बोरियो) की रहने वाली पूना पति विजय ठाकुर ने आरपीएफ पोस्ट पर आकर सूचना दी कि वह बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आई थीं। वापस जबलपुर जाने के लिए वे प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, तभी भीड़ के कारण उनका 7 वर्षीय बेटा अचानक गायब हो गया।

3एएसआई शिवसिंह बघेल ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम में तैनात प्रधान आरक्षक राजकुमार देवड़ा को तुरंत कैमरे खंगालने के निर्देश दिए। आरक्षक नंदसिंह, जगदीश कसाना, लखन सैनी, महिला आरक्षक प्रतिभा शर्मा और सुरेखा की टीम सर्चिंग में जुट गई। इसी बीच सीसीटीवी की मदद से पता चला कि नागदा साइड एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) के पास रेलवे ट्रैक के पास एक बालक घूम रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर बालक को सुरक्षित बरामद किया। जब मां को उसका बेटा वापस मिला, तो उसने भावुक होकर बच्चे को सीने से लगा लिया।

शनिवार को अमावस्या पर नवग्रह शनि मंदिर त्रिवेणी संगम पर स्नान और दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। इसी भीड़ में गुना के रठियाई से आया 4 वर्षीय मासूम अंश पिता सुनील राजपूत अपने परिवार से बिछड़ गया। ड्यूटी पर तैनात नगर सैनिक (होमगार्ड) रवि कुमार ने मंदिर गेट के पास एक बच्चे को बदहवास और रोते हुए देखा। वे तुरंत मासूम को संभालते हुए मंदिर परिसर में बने पुलिस कंट्रोल रूम लेकर आए। पुलिस ने फौरन लाउडस्पीकर से बालक के नाम और हुलिए का अनाउंसमेंट शुरू करवाया। इस तत्परता का नतीजा यह रहा कि महज 30 मिनट के भीतर भटकते हुए माता-पिता कंट्रोल रूम पहुंच गए और बच्चा उन्हें सौंप दिया गया।

दिव्यांग श्रद्धालु को कराए सुलभ दर्शन लूटी वाहवाही- शनि मंदिर त्रिवेणी संगम पर तैनात पुलिसकर्मियों ने आगर जिले के एक दिव्यांग दर्शनार्थी को भगवान शनिदेव के सुलभ दर्शन कराए। व्यक्ति पैरों से दिव्यांग था।

उज्जैन में चौड़ीकरण के दौरान मकान ढ्हा

जेसीबी कार्रवाई से परिवार बेघर लाखों का सामान मलबे में दबा

उज्जैन। योगीपुरा क्षेत्र में चौड़ीकरण कार्रवाई के दौरान एक मकान पूरी तरह ढह गया, जिससे एक परिवार बेघर हो गया। मकान में रखा लाखों रुपए का सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और कई परिवार डर के चलते घर खाली कर रहे हैं। रहवासियों ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

रामघाट जाने वाली गली में चल रही चौड़ीकरण कार्रवाई के दौरान जेसीबी से तोड़फोड़ की जा रही थी। इसी दौरान राजेंद्र राव सावदेकर का मकान क्रमांक-12 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मकान गिरने से घर में रखा टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखे, गीजर, पानी की टंकी, किराना सामान और बर्तन सहित पूरी गृहस्थी मलबे में दब गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार्रवाई के दौरान मकान का मलबा गिरता दिखाई दे रहा है वहीं, गली में सामान बिखरा पड़ा है। घटना शनिवार देर शाम की है। मामला रविवार को तब सामने आया जब परिवार मुआवजे के लिए प्रशासन से गुहार लगाने पहुंचा।

कार्रवाई के दौरान रिश्तेदार के घर में था परिवार

पीड़ित दीपक राव सावदेकर ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से नीचे की ओर चौड़ीकरण का काम चल रहा था। खतरे को देखते हुए परिवार शुक्रवार रात अस्थायी रूप से डायमंड कॉलोनी स्थित रिश्तेदार के घर चला गया था। शनिवार सुबह पड़ोसियों से मकान गिरने की सूचना मिली। परिवार का आरोप है कि प्रशासन ने न तो स्पष्ट जानकारी दी और न ही सामान निकालने के लिए पर्याप्त समय दिया। घटना के बाद परिवार अब किराए के मकान में रहने को मजबूर है।

7 फीट चौड़ीकरण की जानकारी काम 10 फीट तक

हादसे के बाद आसपास के लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय निवासी कुणाल ने बताया कि पास के तीन मकान पहले ही धंस चुके हैं और अब उनका मकान भी गिरने का खतरा बना हुआ है। इसी वजह से उन्होंने भी घर खाली कर दिया है। बताया जा रहा है कि करीब 15 परिवार इस कार्रवाई से प्रभावित हो रहे हैं।

सीएम से मदद की गुहार

पीड़ित की मां सुलोचना सावदेकर ने रोते हुए कहा कि उनका सब कुछ खत्म हो गया और अब वे सड़क पर आ गए हैं। वहीं प्रशांत सावदेकर ने आरोप लगाया कि पहले 7 फीट चौड़ीकरण की बात कही गई थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 10 फीट कर दिया गया और बिना सूचना मकान तोड़ दिया गया। उनका कहना है कि करीब 25 लाख रुपए का नुकसान हुआ है और घर का एक-एक सामान टूट गया। परिवार ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सुरक्षा दीवार बनाकर काम होगा

वहीं भवन अधिकारी राजकुमार राठौर का कहना है कि मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर समाधान निकाला जाएगा। साथ ही अन्य मकानों को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा दीवार बनाने का काम किया जा रहा है।

बामौरा में श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान

उज्जैन। जन अभियान परिषद विकासखंड उज्जैन के सेक्टर चिंतामन जवासिया अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बामौरा द्वारा शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बामौरा स्थित गणेश मंदिर के पास प्राचीन बावड़ी पर एक प्रभावी श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभियान के दौरान समिति सदस्यों, ग्रामीणों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सामूहिक श्रम साधना करते हुए बावड़ी की साफ-सफाई की तथा आसपास फैली गंदगी और अवांछित सामग्री को पूरी तरह हटा दिया। इस कार्य से जल स्रोत संरक्षण का मजबूत संदेश पूरे गांव में पहुंचा। श्री शिवप्रसाद मालवीय ने इस अवसर पर कहा कि प्राचीन बावड़ियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर तथा जल संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए समाज की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सफाई का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाने का जन आंदोलन है।

गंदगी से परेशान रहवासी, सड़कों पर उतरे लोग

वार्ड 34 में नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

उज्जैन। उज्जैन के वार्ड क्रमांक 34 की राज रतन कॉलोनी में रविवार को रहवासियों ने नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। लंबे समय से सफाई न होने और बदहाल व्यवस्थाओं से परेशान होकर लोग सड़क पर उतर आए।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि बार-बार शिकायतें करने के बावजूद कॉलोनी में नियमित सफाई नहीं हो रही है। मल्टी के पीछे नालियों और टैंकों में कचरा जमा होने से बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बच्चे और बुजुर्ग लगातार बीमार पड़ रहे हैं।

महिला रहवासी किरण मोगरकर और शराफत खान ने बताया कि कॉलोनी में लगभग 400 मकान और 3 हजार से अधिक लोग रहते हैं। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नगर निगम कर्मचारी कभी-कभार ही औपचारिकता पूरी करने के लिए सफाई करते हैं। इसके अतिरिक्त, कॉलोनी में कई सीवर चेंबर खुले पड़े हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। रहवासियों के अनुसार, कई बार बच्चे इनमें गिरते-गिरते बचे हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम कमिश्नर से तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बारिश के मौसम में नालियां जाम होने से स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन कर रजत आभूषण से राजा स्वरूप श्रृंगार

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का पूजन किया। फिर भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर व फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। भगवान महाकाल को त्रिशूल, त्रिपुंड, भांग और चंदन अर्पित कर श्रृंगार किया गया। जल अर्पित कर कपूर आरती के बाद भगवान का श्रृंगार पूर्ण होने पर ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढंककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के बाद शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्पों से बनी मालाएं अर्पित की गईं। भगवान महाकाल ने मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण किए। फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़ा की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई।

शनिश्चरी अमावस्या भरा निगम का खजाना

उज्जैन। शनि जयंती के शुभ संयोग में आई शनिश्चरी अमावस्या नगरनिगम का खजाना भर गई है। यहां छोड़े गए जूते-चप्पल और पुराने कपड़ों को रिसाइकिल किया जाएगा। इससे तैयारी सामग्री को बेचकर नगरनिगम कमाई करेगा। दरअसल निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा ने शनिश्चरी अमावस्या की व्यवस्था जुटाते समय अफसरों को छोड़े गए कपड़े एवं जूते-चप्पलों को अलग से एकत्र करने के निर्देश दिए थे।90 से अधिक सफाई मित्रों ने रविवार को इनका कलेक्शन किया। मंदिर परिसर में पहले छोटे-छोटे ढेर बनाए गए, बाद में इन्हें बड़े ढेर में बदलकर गोंदिया स्थित ट्रांसफर भेजा गया। अनयूजेवल जूते-चप्पल- इससे आरडीएफ बनाया जाएगा। यह एक तरह का फ्यूल है,इसमें जूते-चप्पल के बारीक टुकड़े काटे जाते हैं और इसका उपयोग फ्यूल के तौर पर होता है।

दो विभागों में तालमेल की कमी, फिर नहीं भरीं टंकियां

उज्जैन। हमारा सिस्टम सुधरने का नाम ही नहीं लेता। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और नगरनिगम के बीच तालमेल की कमी के कारण एक बार फिर शहर की टंकियां पूरी तरह नहीं भरीं और इसके चलते रविवार को शहर के कई वार्डों में पानी नहीं पहुंचा। पूरे शहर से ही कम पानी आने, नहीं आने की शिकायतें आती रहीं। दरअसल उज्जैन शहर में पानी की सप्लाई अंबोदिया और गऊघाट संयंत्र से होती है। गऊघाट संयंत्र शहरी क्षेत्र में आता है, जबकि अंबोदिया ग्रामीण में। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इन क्षेत्रों में मानसून पूर्व का मेंटेनेंस कर रही है। ऐसे में कंपनी लगातार शटडाउन ले रही है। यह शटडाउन नगरनिगम के लिए मुसीबत बन गया है। शटडाउन के कारण शहर की टंकियां ठीक से नहीं भरतीं और जल का संकट खड़ा हो जाता है। रविवार को फिर से ऐसी स्थिति बनी। शहर की कई टंकियां पूरी तरह नहीं भरीं। खासकर पुराने शहर की। ऐसे में कई वार्ड में पानी सप्लाई में दिक्कत हुई।

जवासिया के शनि मंदिर में महाआरती और महायज्ञ

उज्जैन। चिंतामन रोड स्थित ग्राम जवासिया के अहिल्या चौराहे पर प्राचीन शनि मंदिर में शनि जयंती मनाई गई। सजन चौधरी ने बताया सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। ग्रामीणों ने घर से बनाकर लाए व्यंजनों का सामूहिक रूप से छप्पन भोग लगाया। व महाआरती की। इसके बाद अभिषेक, अनुष्ठान तथा महायज्ञ-हवन किया गया।

विश्व संग्रहालय दिवस पर त्रिवेणी संग्रहालय में निःशुल्क प्रवेश

उज्जैन में 18 मई को सुबह 8 से रात 10 बजे तक खुला रहेगा

उज्जैन स्थित त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय में विश्व संग्रहालय दिवस पर 18 मई को पर्यटकों का प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। संग्रहालय सुबह 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। प्रत्येक वर्ष 18 मई को विश्व संग्रहालय दिवस मनाया जाता है। यह दिवस इतिहास, संस्कृति और विरासत के संरक्षण में संग्रहालयों के महत्व को रेखांकित करता है।

संग्रहालय केवल प्राचीन वस्तुओं का संग्रह नहीं होते, बल्कि वे सभ्यता और सांस्कृतिक यात्रा के जीवंत दस्तावेज माने जाते हैं। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1977 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम्स (ICOM) द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य संग्रहालयों को ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विविधताओं को समझने का सशक्त माध्यम बनाना है। वर्तमान में यह दिवस विश्व के 140 से अधिक देशों में मनाया जाता है। इस अवसर पर उज्जैन के इसका उद्देश्य अभिक से अभिक लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना है।

कोर्ट के लिए भी राजनैतिक नियुक्ति

वकील रवींद्र कुशवाह जीपी और 16 एजीपी बने

उज्जैन। निगम-मंडलों के बाद अब कोर्ट के लिए भी राजनैतिक नियुक्तियां शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में शासन ने कोर्ट के लिए 1 लोक अभियोजक(जीपी) और 16 सहायक लोक अभियोजक (एजीपी) नियुक्त किए हैं। कोर्ट में इनकी एक घंटे की हाजिरी जरूरी रहेगी। रवींद्र सिंह कुशवाह लोक अभियोजक बने हैं। वे 2013 से लगातार जीपी हैं। मनीष गोयल, संजय राव शिंदे, राजेंद्रसिंह चौहान, अजय पांडे, राहुल विपट, संजय गोयल, मनीष श्रीवास्तव, जय शर्मा, महेश यादव, हेमंत गिरजे, मुकेश जैन, सचिन तेनगुरिया, नारायणसिंह डोडिया, (महिदपुर) विनोद व्यास (नागदा) सरदारसिंह चौहान (तराना) रजनीश उपाध्याय (खाचरौद) सहायक लोक अभियोजक बने हैं। वरिष्ठ अभिभाषक सुरेंद्र चतुर्वेदी ने सभी को बधाई दी है। जीपी और एजीपी को रोजाना एक घंटे की हाजिरी जरूरी रहेगी। इसके बदले में उन्हें एक हजार रुपए दिए जाएंगे। जीपी की अनुशंसा पर कलेक्टर एजीपी को कोर्ट आवंटित करेंगे। इन कोर्ट में यह शासन का पक्ष रखेंगे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रगणक के साथ घर-घर पहुंचकर जानकारी ली

देश की जनगणना के आंकड़ें विकास एवं प्रगति के लिए है, सहयोग करें

उज्जैन। देश की पहली डिजिटल जनगणना प्रारंभ हो गई हैं। 01 मई से 31 मई तक प्रगणकों द्वारा घर-घर पहुंच कर मकान सूचीकरण का कार्य संपन्न किया जा रहा है। इसी क्रम में जनगणना से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गत दिवस ब्लॉक एवं सर्कल स्तर पर जनगणना से संबंधित किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिसमें जोन क्रमांक 04 एवं जोन क्रमांक 05 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 40 पंवासा क्षेत्र, वार्ड क्रमांक 41 गोपालपुरा क्षेत्र, लोटी स्कूल के पास, इत्यादि क्षेत्रों में 08 से अधिक ब्लॉक स्तर पर सुपरवाइजर एवं प्रगणक के साथ घर-घर भ्रमण करते हुए नागरिकों से जानकारी संग्रहित की गई। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सुपरवाइजर एवं प्रगणक को निर्देशित किया गया कि जनगणना का कार्य समय सीमा में पूर्ण हो।

ब्लॉक एवं सर्कल स्तर पर कुछ सुपरवाइजर एवं प्रकरण द्वारा कार्य करते हुए समय से पूर्व ही जनगणना के कार्य को पूर्ण किया गया है, इसलिए संबंधित ब्लाक की टीम सराहना के पात्र है। वर्तमान में गर्मी का समय है। मौसम के अनुकूल रहते हुए कार्य किया जाए। सुबह एवं शाम की शिफ्ट में घर-घर सर्वे किया जाए। साथ ही जिन मकानों में ताले लगे हुए हैं, उनमें फिर से कुछ दिनों बाद विजिट करें। जनगणना 2027 का प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई से 30 मई तक संपन्न किया जाएगा। इसके लिए सभी शहरवासी इस डिजिटल जनगणना में सहयोग प्रदान करे। घर-घर प्रगणक एवं पर्यवेक्षक आपसे जनगणना से संबंधित जानकारी संग्रहित करेंगे। साथ ही स्वगणना यदि आपके द्वारा की गई है तो उसकी एसई आईडी प्रगणक के साथ साझा करे। इस बात का भी ध्यान रखें की सिर्फ जनगणना से संबंधित जानकारी ही साझा करे। अन्य किसी प्रकार का ओटीपी या वित्तीय जानकारी साझा ना करे।

हर्बल मंडी: फूल, कांटे, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सब के मिलते अच्छे दाम

उज्जैन। मध्यप्रदेश के नीमच जिले की हर्बल मंडी प्रदेश के औषधीय फसलों के उत्पादक किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। यह देश की एकमात्र मंडी है जहां कांटे, फूल, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सब बिकते हैं। किसानों को विभिन्न औषधीय फसलों के 500 रूपये से लेकर 2 लाख रूपये प्रति क्विंटल तक भाव मिल जाते हैं। नीमच मंडी की प्रसिद्धि देखते हुए गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलें लेकर यहां आ रहे हैं। अप्रैल माह तक मंडी की भरपूर आवक बनी रहती है जो मई के आखरी सप्ताह तक कम होने लगती है। किसानों को निराश नहीं होना पड़ता। हर प्रकार की जड़ी-बूटी बिक जाती है।

मुख्यमंडी प्रांगण में 16 शेड हैं। यह एकमात्र मंडी है जहां 40-50 प्रकार के औषधीय पौधों की खरीदी बोली लगाकर होती है। मसाला फसलों की खरीदी करने वाली देश की एक मात्र सबसे बड़ी मंडी है।

श्री नीलेश पाटीदार नीमच के बड़े काश्तकार हैं। उनकी 45 एकड जमीन है। परिवार में 12 सदस्य हैं। वे पिछले दो-तीन सालों से मसाला फसलों की खेती कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इसबगोल, इरानी अकरकारा, चिरायता, आजवाइन, किनोवा, चियासीड, तुलसी बीज जैसी फसलों के बहुत अच्छे दाम मिल जाते हैं। लहसून के भी अच्छे दाम मिलते हैं। नीलेश को इस बात की प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव औषधीय फसलों के उत्पादन के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। सरकार जड़ी-बूटी की खेती के तौर-तरीकों के संबंध में अच्छी ट्रेनिंग दिलवायेगी तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। फिलहाल सरकार की ओर से हर जरूरी सहूलियतें मिल रही हैं। मदद सरकार की और मेहनत हमारी। जड़ी-बूटी उगाने वाले किसानों के लिये नीमच मंडी एक बड़ा सहारा है।

श्री प्रहलाद सिंह रतलाम जिले के आजमपुर डोडिया गांव में रहते हैं। उन्हें अश्वगंधा और अकरकारा बीज बेचने के अच्छे दाम मिले हैं। मंडी में समय पर बोली लग जाती है और आसानी से फसल बिक जाती है। किसानों को जरा सी भी परेशानी नहीं होती। मंडी के सब लोगों का व्यवहार बहुत अच्छा है। सरकार ने हमारे जैसे छोटे और मझौले किसानों के लिए मंडी में अच्छी व्यवस्थाएं करा दी हैं।

श्री पंचम सिंह भी इसी गांव के किसान है और आजवाइन, अश्वगंधा लेकर आते हैं। उन्हें तत्काल भुगतान हो जाता है। मंडी की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हो गई हैं।

औषधीय फसलों के उत्पादन में देश में आगे मप्र

मध्यप्रदेश औषधीय फसलों के उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में 46 हजार 837 हैक्टेयर क्षेत्र में औषधीय फसलों ईसबगोल, सफेद मूसली, कोलियस व अन्य फसलों की खेती की जा रही है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में लगभग सवा लाख मीट्रिक टन औषधीय फसलों का उत्पादन हुआ है। देश और विदेश में औषधीय फसलों की बढ़ती मांग के कारण किसान इन फसलों की ओर आकर्षित हुए हैं। देश में औषधीय फसलों का 44 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में उत्पादित होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को अनुदान और अन्य सहूलियतें दी जा रही है। औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित. प्रधान संपादक: सुनील वर्मा
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com,